जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 99 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 9 फरवरी, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

साउथ ईस्ट एशिया के जंगलों और वर्षा वनों में कई अजीबोगरीब प्रजातियां हैं। तितली की ऐसी ही एक प्रजाति है कैलीमा ईनाखोश। आम रंगबिरंगी तितलियों से विपरीत यह सूखी पत्ती जैसी दिखती है। उड़ते समय कोई चिड़िया पीछा करे या कोई खतरा महसूस हो तो यह बेतरतीब उड़ने लगती है और अचानक ही जंगल में जमीन पर पड़ी सूखी पत्तियों पर गिर जाती है, एकदम निश्चेष्ट होकर आंख बंद करके, जिससे चिड़िया इसे ढूंढ नहीं पाती। इस स्थिति में वो बिल्कुल सूखी पत्ती जैसी लगती है, यहां तक कि, सूखी पत्ती की तरह इसके शरीर पर गहरी शिराएं भी नज़र आती हैं। इस तरह परभक्षी से यह अपना बचाव करती है। जब यह अपने पंख बंद करती है तब केवल नीचे की तरफ के निशान दिखते हैं, जिनमें अनियमित पैटर्न और भूरी, पीली, मटमैली और काली धारियाँ होती हैं। डिज़ाइन में सफेद चकत्ते और गहरे बिन्दू भी होते हैं, जो फफूंद और काई जैसे लगते हैं। जंगल में सूखी पत्तियों पर ऐसे निशान आम हैं। इसके पिछले पंखों पर कांटे जैसी एक संरचना होती हैं जो पत्ती की डंडी जैसी दिखती है। इसके पंख कोणीय और सिरे की तरफ पतले होते हैं। जिससे इसका पत्ती जैसा रुप और पुख्ता होता है। यह तितली साल में दो बार प्रजनन करती है। एक बार बरसात में और एक बार शुष्क मौसम में। बरसात के मौसम में जन्मी तितली छोटी किन्तु गहरे रंग की होती है। इस प्रजाति की मादा, नर से बड़ी होती है। यह तितली भारत, हिमालय के निचले भागों, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यानमार, दक्षिणी चीन, थाईलैण्ड, लाओस, जापान, ताईवान और वियतनाम में मिलती है और हाल ही में पाकिस्तान में भी इसे देखा गया है। यह निचले भागों, खासकर समुद्र स्तर से 1800 मीटर की ऊंचाई तक ही मिलती है। पर भारी बारिश के समय इसे पहाड़ों में 2400 मीटर की ऊंचाई तक देखा गया है। इसे धूप वाले स्थान पसंद हैं। दिन में यह पत्तियों और तनों पर चिपकी हुई देखी जा सकती है।

तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की शुरूआत हुई?

इस संदर्भ में राजस्थान के प्रभारी व प्रदेशाध्यक्ष को दिल्ली बुलाया गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। क्या राजस्थान में नेतृत्व-परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है?

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि, हाँ ऐसा हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि, राहुल गांधी इस बात पर अड़े हुये हैं कि, अशोक गहलोत को जाना ही होगा तथा जल्दी से जल्दी कांग्रेस विधायक मंडल में नेतृत्व परिवर्तन करना ही है।

आशा की जा रही है कि, पहले चरण में, अशोक गहलोत के नज़दीकी उन तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी, जिनके नामों का रिपोर्ट में उल्लेख है। ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान प्रभारी रंधावा तथा पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा दिल्ली बुलाए गये हैं तथा के.सी. वेणुगोपाल के साथ उनकी मीटिंग चल रही है।

- **राहुल गांधी व प्रियंका काफी दृढ़ हैं इस बारे में कि, मु.मंत्री गहलोत का हटना जरूरी है और पायलट का नेतृत्व संभालना जरूरी है, अगर कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में कुछ सम्मानजनक प्रदर्शन करना है।**
- **पर, वे वरिष्ठ नेता, जिनसे राहुल गांधी घिरे हुए हैं, उनका यह मत है कि, गहलोत को बदलने का परीक्षण किया गया तो, पंजाब का चन्नी को मु.मंत्री बनाने का दुखद अनुभव दोहरायेगी पार्टी राजस्थान में।**
- **इन नेताओं में प्रमुख हैं, मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी व पवन बंसल।**
- **पर, राहुल के बारे में यह बात कही जाती है कि, वे अगर किसी मुद्दे पर मन बना लेते हैं तो, अपनी बात पूरी करके ही मानते हैं। और गहलोत को हटाने के बारे में उन्होंने मन बना लिया है।**

माना जा रहा है कि, अकथनीय कारणों से सितम्बर से लंबित चल रही यह कार्यवाही शीघ्र होगी, नेतृत्व-परिवर्तन की प्रस्तावना के रूप में। लेकिन पता चला है कि, राहुल गांधी के नज़दीकी करीब-करीब सभी नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि, उन्हें ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहिये क्योंकि इससे राजस्थान, दूसरे पंजाब का रूप ले सकता है।

इन नेताओं में, अन्य नेताओं के अलावा मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी, पवन बंसल जैसे बड़े नेता शामिल हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि, इस बिन्दु पर रंधावा का रूख क्या है, लेकिन फिलहाल इतना जरूर है कि, कोई भी उन्हें अधिक गंभीरता से नहीं ले रहा।

अजय माकन उन नगण्य अपवादों में से एक हैं, जिन्होंने गहलोत को बदलने की जरूरत पर राहुल गांधी को स्पष्ट रूप से ब्रीफ किया है, तथा वो वसुंधरा राजे सिधिंया के साथ गहलोत के संबंध, मतदाताओं में उनकी अस्वीकार्यता, विधायकों में उनकी अलोकप्रियता तथा ऐसे ही अन्य मामलों की जानकारी राहुल गांधी को दे चुके हैं।

भाई-बहिन, दोनों ही बदलाव पर बहुत जोर दे रहे हैं। प्रियंका तो इस बात की खुली समर्थक हैं कि, पार्टी के तथा मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में, युवा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मौनी बाबा"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राज्यसभा में बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों तथा मंत्रियों की ओर से उस समय जबरदस्त विरोध दिखाई दिया, जब विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को ऐसे "मौनी बाबा" की संज्ञा दी, जो अपनी पार्टी के नेताओं द्वारा हर जगह द्वेष फैलाये जाने पर मौन साधे हुए हैं।

खड़गे ने कहा, "प्रधानमंत्री खामोश क्यों हैं? वे अपनी पार्टी के साथियों को क्यों नहीं डराते-धमकाते? अगर आप (मोदी) आवाज बुलन्द करेंगे तो वे (अगले चुनाव में) पार्टी टिकट न मिल पाने के डर से चुप हो जायेंगे।"

- **मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्र.मंत्री मोदी पर की गई इस टिप्पणी पर काफी हल्ला किया व आपत्ति की, भाजपा मंत्रियों व सांसदों ने।**

उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि, बहुत से भाजपा सांसद एवं मंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मोदी! मोदी!" के नारे का विपक्ष ने "अडानी-अडानी" जवाब दिया सदन में

धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी के भाषण के बाद यह दौर काफी देर तक चला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के दौरान शुरू से आखिर तक सदन में उपस्थित रहे राहुल गांधी ने कहा कि, वे प्रधानमंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा, "जांच को लेकर कोई बात नहीं कही गई। यदि वे (गौतम अडानी) उनके मित्र नहीं हैं तो प्रधानमंत्री को कहना चाहिए था कि जांच की जाएगी। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री उनका (अडानी का) बचाव कर रहे हैं।"

राहुल गांधी ने, स्वयं द्वारा मंगलवार को लोकसभा में की गई कुछ टिप्पणियों को भाजपा नेताओं के कहने पर स्पीकर द्वारा रिकॉर्ड से हटाए जाने को लेकर भी विरोध प्रकट किया।

- **मोदी के भाषण के बाद राहुल ने कहा, मैं उनके भाषणों से संतुष्ट नहीं हूँ।**
- **मोदी ने भी राहुल पर कई कटाक्ष किये, जैसे राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना कोई बड़ी बात नहीं, वे 1992 में पहले ही फहरा चुके हैं।**

राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक में गत 25 जनवरी को तिरंगा फहराए जाने पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, इसमें कुछ भी विशेष नहीं है, क्योंकि आतंकवादियों की धमकी के बावजूद वे यह काम जनवरी 1992 में कर चुके हैं, और वो भी बिना किसी सुरक्षा के। पुलिस ने राहुल को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की थी और सुरक्षा कारणों को लेकर उनसे कहा गया था कि, वे 26 जनवरी को नहीं बल्कि उसके एक दिन पूर्व झण्डा फहराएं।

लोकसभा में जब प्रधानमंत्री का भाषण समाप्त होने वाला था तब सत्ता पक्ष के सदस्यों ने "मोदी-मोदी" के नारे लगाए, जबकि विपक्षी सदस्यों ने इसका जवाब "अडानी-अडानी" के नारे लगाकर दिया।

मोदी ने कहा कि, उनके खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"डिस्ट्रिक्ट जुडिशिएरी" का कोटा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केन्द्र सरकार से कहा कि, वह देहली जूडिशियल सर्विस एसोसिएशन (जे.एस.ए.डी.) के आवेदन का जवाब दे, जिसमें हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में डिस्ट्रिक्ट जुडिशिएरी का कोटा 33 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत करने की मांग की गई है। इस मुद्दे पर जे.एस.ए.डी. की ओर से दायर एक हस्तक्षेप आवेदन पर जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की एक बैंच ने नोटिस जारी किया। आवेदन एक याचिका के

- **जुडीशियल सर्विस एसोसिएशन ने हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में कोटा 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग उठायी, सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप की अर्जी देकर।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने विश्वास दिलाया कि, बैंकों की माली हालत काफी स्वस्थ है

आर.बी.आई. के इस वक्तव्य के बाद, अडानी ग्रुप के शेयर के दाम में सुधार आया, 20 प्रतिशत वृद्धि हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने पुनः आश्वासन दिया है कि, एक बड़े कॉरपोरेट ग्रुप के लेनदार भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। आर.बी.आई. ने अडानी एन्टरप्राइजेज़ का विशेष जिक्र नहीं किया, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि वह किस संदर्भ में बात कर रहा है।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने अडानी ग्रुप ऑफ एन्टरप्राइजेज़ में 2.6 बिलियन डॉलर का निवेश किया हुआ है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक का नम्बर आता है। ये देश के दो सबसे बड़े बैंक हैं।

आर.बी.आई. का यह बयान उसकी नई मॉनिटरी पॉलिसी की घोषणा के संदर्भ में सामने आया है। आर.बी.आई. ने अपनी रैपो रेट बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दी है। रैपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर आर.बी.आई. अन्य बैंकों को धन उधार देता है। यह काम मंहगाई की बढ़ती दर के संदर्भ में किया गया है।

आर.बी.आई. के एक बयान में स्पष्ट किया गया है कि, बड़े ऋणों के मामले में उसका एक सैन्ट्रल डेटा बेस है, जहां सभी बैंक, कम्पनी या व्यक्ति विशेष को अधिक मात्रा में दिए गए लोन्स की रिपोर्ट करते हैं। बैंकों के लोन पोर्टफोलियो और उनके फण्ड बेस के आधार पर आर.बी.आई. उन्हें मॉनिटर करता है और उनका स्ट्रैस टैस्ट लेता है।

- **कुछ विदेशी पूंजी निवेशकों ने अडानी ग्रुप के शेयर पुनः खरीदना शुरू किया।**
- **हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद, दो सप्ताह में अडानी के शेयर का मूल्य एक दम घट गया था, ग्रुप के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 100 अरब डॉलर की कमी आ गयी थी।**
- **यह सच है कि, पहले जब स्कैम हुए थे, बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली मेयर चुनाव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय सक्सेना तथा प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर सत्या शर्मा को नोटिस जारी करके, सोमवार तक उनका जवाब मांगा है कि, मनोनीत सदस्यों को दिल्ली मेयर के चुनावों में वोट देने के लिये क्यों प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच आम आदमी पार्टी के मेयर पद के

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के ले. गवर्नर से जवाब मांगा कि, मनोनीत सदस्यों को इस चुनाव में वोट करने के लिये क्यों प्रेरित किया जा रहा है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी की कोई चर्चा नहीं की

मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस पार्टी पर जरूर तीखे पलटवार किये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। संसद में दिये गये राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विपक्ष, खासतौर से कांग्रेस पर जवाबी हमला बोलते हुये, यू.पी.ए. सरकार के दस वर्षों को "घोटालों और हिंसा का दशक" बताया तथा यू.पी.ए. पर "हर अवसर को संकट में बदल देने का आरोप लगाया।" इस दौरान बड़ी सावधानी से काम लेते हुये प्रधानमंत्री मोदी अडानी मुद्दे और विवादास्पद व्यवसायी गौतम अडानी के साथ अपने संबंध की बात को टाल गए।

कल (मंगलवार) धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया था कि, वे गौतम अडानी के व्यावसायिक साम्राज्य के फलने-फूलने में मदद कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, अमेरिका की शॉर्ट-सैलर हिन्डनबर्ग रिसर्च ने कुछ समय पहले अडानी ग्रुप पर स्टॉक में गड़बड़ी तथा फ्रॉड करने के कथित आरोप लगाये थे, जिनके चलते ग्रुप की छवि को जबरदस्त आघात पहुँचा है तथा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कुछ सवाल भी किये थे, और जवाब मांगा था।

- **मोदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी 2014 से 2023 तक देश में हुई उन्नति व विकास को पचा नहीं पा रही।**
- **इसका प्रमुख कारण है, 2004-2014 का कांग्रेस (यू.पी.ए.) शासन का दशक, जो स्वतंत्रता के बाद का सबसे भ्रष्ट दशक था। कांग्रेस ने अपने कारनामों से देश के सम्मुख हर अवसर को संकट में परिवर्तित कर दिया था।**
- **कल राहुल गांधी द्वारा सदन में अडानी-मोदी संबंधों पर काफी आलोचना की गई थी और प्र.मंत्री से उन्होंने कई सवाल किये थे।**
- **मोदी के भाषण में, राहुल गांधी की आक्रामक शैली व आरोपों से उत्पन्न पीड़ा की झलक भी नज़र आयी।**

उन प्रश्नों के उत्तर देने के बजाय, मोदी ने संसद में राहुल गांधी पर उनका नाम लिये बिना कई कटाक्ष किये। राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही अरबपति गौतम अडानी को मोदी से जोड़ते हुये, मोदी पर तीखा हमला बोला था।

बजट सत्र का शुभारम्भ करते हुये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिये गये अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुये, प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहा, "कल लोकसभा में कुछ लोगों द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद मैं देख रहा था। पूरा "ईकोसिस्टम" बड़ा उत्साहित एवं उत्तेजित था। (उनके) समर्थक बड़े प्रसन्न थे। कुछ लोग बड़े खुश होते हुए कह रहे थे, "ये हुई न कोई बात।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "कुछ लोग तो उस भाषण से इतने खुश थे कि, वे आज आये ही नहीं। पिछली रात को वे बड़े आराम से सोये होंगे। और शायद इसीलिये, आज सुबह उनकी आँख नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते। –वेदव्यास

जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है जलाशाय क्षेत्र

आर्द्रभूमि या वेटलैंड वह क्षेत्र होता है जहां जल भरा रहता है। जल मानव और जीव जंतु दोनों के लिए अमृतदायी है। बिना जल के सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। जल ही जीवन है। मानव और जीव जंतुओं का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहां पौधे और पशु प्रजातियों की घनी विविधता पाई जाती है और ये जैव विविधता से भी समृद्ध होता हैं। भारत में 19 प्रकार की आर्द्रभूमियां हैं जिनमें लगभग 4.6 प्रतिशत भूमि आर्द्रभूमि के रूप में है जो 15.26 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। भारत में आर्द्रभूमि ठंडे और शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटिबंधीय मानसूनी इलाकों और दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है। इस क्षेत्र में भरपूर नमी पाई जाती है जिसके अनेक लाभ हैं। वेटलैंड्स जंतु ही नहीं बल्कि पौधों की दृष्टि से भी यह जरूरी है। आर्द्रभूमि जलीय एवं स्थलीय जैव-विविधताओं का एक ऐसा मिलन स्थल है तथा यहाँ वन्य प्राणी प्रजातियों व वनस्पतियों की प्रचुरता पाई जाती है। जैव विविधता के क्षरण को लेकर देश और दुनियां में गहरी चिंता व्यक्त की जा रही है। आर्द्रभूमि और जैव विविधता का चोली-दामन का साथ है। जैव-विविधता से हमारे रोजमर्रा की जरूरतों यथा रोटी, कपड़ा, मकान, ईधन, औषधियों आदि आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में भी सहायक होती है। पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक स्थिरता, फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ तपन, बाढ़, सूखा, भूमि क्षरण आदि से बचाव के लिए जैव-विविधता संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

वर्तमान में देश में कुल 42 रामसर आर्द्रभूमि स्थल चिह्नित हैं। भारत में स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में देश में 13,26,677 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए कुल 75 रामसर स्थलों को बनाने के लिए रामसर स्थलों की सूची में 11 और आर्द्रभूमि शामिल हो गई हैं। आर्द्रभूमि में मैंग्रोव, दलदल, नदियाँ, झीलें, डेल्टा, बाढ़ के मैदान और बाढ़ के जंगल, चावल के खेत, प्रवाल भित्तियाँ, समुद्री क्षेत्र (6 मीटर से कम ऊँचे ज्वार वाले स्थान) के अलावा मानव निर्मित आर्द्रभूमि जैसे- अपशिष्ट जल उपचार तालाब और जलाशय आदि शामिल होते हैं। आर्द्रभूमि में सर्वाधिक उत्पादकता होने के कारण इनका सामाजिक-आर्थिक एवं पारिस्थितिकी महत्व अत्यधिक है।

आर्द्र भूमि, वर्षावनों की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड की चार गुना अधिक मात्रा को सोखती हैं। हमें इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। आर्द्रभूमियों के एक नहीं अनेक फायदे है। आर्द्रभूमि मानव और पृथ्वी के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। एक बिलियन से अधिक लोग जीवनयापन के लिये उन पर निर्भर हैं।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीनहाउस गैस को ग्लोबल वार्मिंग के साथ-साथ भूमि-उपयोग और भूमि-क्षेत्र परिवर्तन के लिये प्रेरित कारकों के रूप में भी ज़िम्मेदार ठहराया गया है। तापमान और गर्मी वितरण में इस तरह के क्षेत्रीय पैमाने पर बदलाव का असर वर्षा पैटर्न पर भी पड़ेगा। इसलिये भारत के प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों, मीठे पानी के संसाधनों और कृषि के लिये खतरा बढ़ रहा है, जो अंततः जैवविविधता, खाद्य, जल सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा समठा रूप से समाज को प्रभावित करते हैं। आर्द्रभूमि प्राकृतिक जैव विविधता के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। यह पक्षियों और जानवरों की विलुप्तप्रायः और दुर्लभ प्रजातियों, देशज पौधों और कीड़ों को उपयुक्त आवास उपलब्ध कराती हैं। हम प्रकृति द्वारा जल की पुनःपूर्ति के तुलना में अधिक जल का उपयोग कर रहे हैं, और यह जल और सारा जीवन हेतु आर्द्रभूमि पर निर्भर रहने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रहा हैं। आर्द्रभूमियां हमारे प्राकृतिक पर्यावरण का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये बाढ़ की घटनाओं में कमी लाती हैं, तटीय इलाकों की रक्षा करती हैं, साथ ही प्रदूषकों को अवशोषित कर पानी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं। एक समृद्ध फूड-वेब समृद्ध जैव-विविधता का परिचायक है और यही कारण है कि इसे बायोलॉजिकल सुपर मार्केट कहा जाता है। इस भूमि में उपयोगी वनस्पतियाँ एवं औषधीय पौधे भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। यह प्रदूषित पानी को साफ करती है। तटरेखाओं की रक्षा करती है और बाढ़ के खतरे को कम करने में मदद करती है। साथ ही जल चक्र के कामकाज को सुनिश्चित करती है। भूजल स्तर को बढ़ाने में भी आर्द्रभूमियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा आर्द्रभूमि जल को प्रदूषण से मुक्त बनाता है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में आर्द्रभूमियों की महत्ता महत्वपूर्ण है। आर्द्रभूमियों को अक्सर एक बेकार व दलदली क्षेत्र के रुप में देखा जाता है, लेकिन ये आर्द्रभूमियाँ जलवायु परिवर्तन से निपटने में बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। आर्द्रभूमियाँ प्राकृतिक स्पंज की तरह हैं और अतिरिक्त पानी सोखती हैं। साथ ही, शुष्क महीनों के दौरान अनेक महत्वपूर्ण नदियों के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं। आर्द्रभूमियाँ, वर्षावनों की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड की चार गुना अधिक मात्रा को सोखती हैं। हमें इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। आर्द्रभूमियों के एक नहीं अनेक फायदे है। आर्द्रभूमि मानव और पृथ्वी के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। एक बिलियन से अधिक लोग जीवनयापन के लिये उन पर निर्भर हैं और दुनिया की 40 प्रतिशत प्रजातियाँ आर्द्रभूमि में रहती हैं तथा प्रजनन करती हैं। बढ़ते शहरीकरण, बाँध निर्माण, अवांछित मानवीय गतिविधियों और जलाशयों में अपशिष्ट के प्रवाह के कारण आर्द्रभूमियां नष्ट हो रही हैं। आर्द्रभूमियों की रक्षा के लिए हमें मिलजुल कर प्रयास करने चाहिए।

यह क्षेत्र सुरक्षित रहा तो मानव के साथ- साथ जीव-जंतु और वनस्पतियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 9 फरवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा फाल्गुनी रात्रि 10:27 तक, सुकर्मा योग सांय 4:45 तक, बव करण सांय 7:11 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-मकर, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:25 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 2:34 तक, चर 11:19 से 12:41 तक, लाभ-अमृत 12:41 से 3:25 तक, शुभ 4:48 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 6:10

मेष

परिवार में आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मिथुन

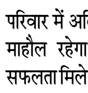

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी और व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

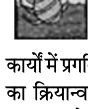

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

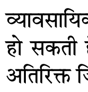

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक

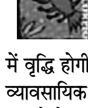

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। खान-पान में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

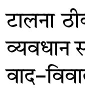

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मीन

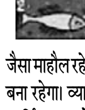

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

'पैदायशी पक्षपाती'

शीतल पथिक

1922 में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी के रूप में स्थापित व 1927 में ब्रिटिश ब्रोडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के रूप में पुनर्गठित, बीबीसी ब्रिटेन का सबसे पुराना प्रसारक है। जिसका कार्यक्षेत्र ब्रिटिश औपनिवेशिक देशों, विशेष कर एशिया में विस्तृत है।

अपनी स्थापना के समय से ही कई विषयों में विवादों से घिरा रहा है, चाहे फिर वह कोई अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो या फिर किसी देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की बात हो। राजनीति, धर्म, नैतिकता, सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों के विषयों पर बीबीसी के कई लेख व रिपोर्ट्स पर अनेक देशों में विवाद हमेशा देखा जा सकता है। फंड व स्टाफिंग के मामलों मे भी इसके अनेक झगड़े है। विवाद उत्पन्न करने वाले एवं कई प्रसंगो में पक्षपाती समाचार, कवरेज व एजेंडा युक्त न्यूज स्टोरी वाली बीबीसी की छवि समय-समय पर सामने आती रही है। बीबीसी में कार्य करने वाले कर्मचारी, उच्च स्तर के कई अधिकारी स्वयं इसके गैर जिम्मेदाराना व वाममार्गी केंद्रित रवैये की निंदा करते नजर आते हैं। लंबे समय तक बीबीसी में समाचार प्रस्तुतकर्ता पीटर सिंसस इस मामले में कहते हैं कि "बीबीसी के मूल में, इसके डीएनए में, सोचने का एक तरीका है, जो दृढ़ता से वामपंथी है।"

एक और बीबीसी प्रस्तुतकर्ता एंड्रयू मार ने इस बारे में कहा की 'बीबीसी निष्पक्ष या तटस्थ नहीं है।' भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 1940 में स्थापित 'बीबीसी हिंदी' मीडिया चैनल भी इस मामले में अपनी मुख्य संस्था का अनुगामी लगता है। वाम विचार केंद्रित और घृणित मानसिकता के चलते बीबीसी ने भारत और भारतीयता व ना केवल सामाजिक, राजनीतिक बल्कि पारिवारिक मूल्यों पर भी गलत रिपोर्टिंग द्वारा प्रहार के प्रयास समय-समय पर किए हैं। गलत नैरेटिव गढ़ने और अपने असामाजिक और अनैतिक हथकंडो द्वारा भारतीय संस्कृति को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के प्रयासों में बीबीसी लंबे समय से लगा रहा है। राष्ट्रीयता में विश्वास करने वाले व अपनी संस्कृति को गर्व से अपनाने वाले भारतीयों को उग्रवादी व चरमपंथी कहना भी इसकी दूषित मानसिकता का परिचायक है।

1968-71 के बीच तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाया गया बेन इसका प्रमाण है। परंतु आश्चर्यजनक बात है की वर्तमान में विपक्ष की भूमिका में कांग्रेस नेतृत्व इसका समर्थन कर रहा है। इसके और भी कई उदाहरण समय-समय पर सामने आते रहे हैं, जैसे बीबीसी के लिए तीस वर्षों तक कार्य करने वाले भारतीय पत्रकार मार्कटली का त्यागपत्र व इस संबंध में भारत मे उनसे हाथापाई के मामले। अपने कार्यकाल के दौरान दक्षिण एशिया की प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ भारत-पाक संघर्ष, भोपाल गैस त्रासदी, ऑपरेशन ब्लूस्टार, जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को कवर करने वाले टली ने 1994 में बीबीसी के तत्कालीन महानिदेशक जॉन बर्टी के साथ बहस के बाद बीबीसी को 'भय द्वारा चलाने' व बीबीसी पर 'अपारदर्शी संस्था' होने का आरोप लगाया।

इसके अलावा 2008 के मुंबई हमलों के बाद आरोपियों के लिए 'आतंकवादी' के स्थान पर 'बंदूकधारी' शब्द का प्रयोग किया गया। यह कृत्य बीबीसी के रवैया और इसकी पत्रकारिता में एकतरफा झुकाव को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है। इस प्रकार के शब्दों के प्रयोग द्वारा अपराध को बढ़ावा देने वाला पत्रकारिता का गिरा हुआ स्तर बीबीसी में स्पष्ट देखा जा सकता है। हालांकि हमारे ही देश में दीमक की तरह काम कर रहा एक तबका बीबीसी के इस प्रकार के प्रत्येक विवाद में बीबीसी के साथ ढाल की तरह खड़ा रहता है। और उनका इस तरह बचाव में आना कोई बड़ी बात भी नहीं क्योंकि दोनों का एक ही लक्ष्य है, भारत व भारतीयता पर प्रहार। परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो वर्ष भर पहले के एक प्रकरण से बीबीसी के इस रवैया को और अच्छे से समझा जा सकता है, जहां स्टैंडअप कॉमेडी के नाम पर हिंदू संस्कृति पर प्रहार व पाकिस्तान प्रेम का राग अलापने वाले कुणाल कुमार और मुनव्वर फारुखी जैसे लोगों के बचाव में बीबीसी अपना पक्षपाती इंटरव्यू जारी करता है।

अभी कुछ ही समय पूर्व दीपावली पर घर की सफाई व महिलाओं के संबंध में बीबीसी का लेख भी सब ने देखा कि किस तरह हमारे उत्सवों का अवमूल्यन करने का कुत्सित प्रयास व भारतीय परम्परा और संस्कृति को कमतर बताने के लिए यह बिना तर्कों की बातें करने से भी बाज नहीं आता।

परंतु अब लोग बीबीसी के इन षड्यंत्रों को समझने लगे हैं, क्योंकि बीबीसी की इस पत्रकारिता के विपरीत विश्व भर में बनी भारत की लोकप्रिय छवि को लोग देख रहे हैं। चाहे वह विश्व की टॉप पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की बात हो, जलवायु परिवर्तन, विश्व शांति जैसे अनेक मुद्दों में भारत की अहम भूमिका हो या फिर जी-20 की अध्यक्षता। वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीति व अन्य सभी पहलुओं में भारत के स्टैंड को लोग समझ रहे हैं। अतः बीबीसी एक बार फिर अपने एजेंडा के तहत एक नई डॉक्यूमेंट्री के साथ सामने आया है, ताकि आंतरिक अशांति के द्वारा फिर से भारत की प्रगति से ध्यान भटकाया जा सके। और बीबीसी के मैदान में उतरते ही भारत के तमाम लेफ्ट- लिबरल गेंग व भारत विरोधी संगठन एक बार फिर इसके साथ मैदान में आ गए। प्रतिबंध के बाद भी टुकड़े-टुकड़े समूह द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयो में यह दिखाई जा रही है। डॉक्यूमेंट्री का विषय लंबा है, उस पर अलग से चर्चा हो सकती है, फिर भी यहां एक बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि हर बात में लोकतंत्र की बात करने वाले व लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले भारत के ही कुछ लोग इस विषय पर देश में अशांति फैला रहे हैं जिसे सुप्रीम कोर्ट जो कि लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, सिरे से खारिज कर चुका है।

बात बीबीसी की है तो इसके पाकिस्तान प्रेम को भी नहीं भुला जा सकता जब भी बीबीसी ने भारत के खिलाफ इस प्रकार की पत्रकारिता की कोशिश की है, पाकिस्तान हमेशा इसके साथ खड़ा दिखाई देता है। वर्तमान में जारी डॉक्यूमेंट्री के संबंध में भी इसे देखा जा सकता है जहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री व कई अन्य मंत्री और आम जनता बीबीसी, जो कि ब्रिटेन का प्रसारक होने के बावजूद भी उसकी निंदा कर चुके हैं। यूएस, फ्रांस व कई अन्य देश जहां बीबीसी के इस कृत्य की निंदा करते नजर आ रहे हैं वहीं पाकिस्तान इसके साथ खड़ा दिखाई देता है। और दूसरी तरफ बीबीसी भी अनेक विवादित मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में पत्रकारिता करता देखा जा सकता है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विषय में अमेरिका की मशहूर लेखिका और विशेषज्ञ क्रिस्टीन फेर ने बीबीसी के एक प्रोग्राम में पाकिस्तान को पूरी दुनिया में आग लगने वाला बताया तो बीबीसी एंकर भड़क गई व क्रिस्टीन फेर से ही भिड़ गई। आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है?

बीबीसी की भारत के प्रति यह सोच उसी औपनिवेशिक मानसिकता की ओर संकेत है जो भारत को लगातार मानसिक परतंत्रता की और धकेलने में लगी रहती है। सरकार बीबीसी पर भारत में प्रतिबन्ध लगाए यह सरकार व जागरूक समाज दोनों की जवाबदेही है कि भारत विरोधी विमर्श नहीं बनने दे।

– शीतल पथिक,
युवा लेखिका, धर्मेटा
राजसमंद

डॉ. विपुल चौधरी के आविष्कार का पेटेंट हुआ

डॉक्टर विपुल चौधरी

■ आविष्कार से दंत चिकित्सा की लागत में कमी और सुलभता बढ़ाने में मदद मिलेगी

भीलवाडा, (निसं)। औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा अब मेडीकल हब के रूप में भी अपनी पहचान बनाने लगा है। ज़िले के सबसे बड़े सरकारी महात्मा गांधी हॉस्पिटल के डॉक्टर विपुल चौधरी अपने आविष्कार और डिजाइन के लिए पेटेंट किया गया है। जिसे उन्होंने मेडिकल कॉलेज को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में परेशानी आती है और इलाज की लागत भी बढ़ जाती है। इस आविष्कार से दंत चिकित्सा की लागत में कमी और सुलभता बढ़ाने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज अब दंत प्रत्यारोपण में किफायती होने के साथ अब समय की बचत भी करेगा। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा जगत लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण होगा जोकि दंत चिकित्सा में काफ़ी कारगर होगा। उन्होंने कहा कि अब तक के इतिहास में इंजीनियरिंग फ़ील्ड या आईटी सेक्टर में हुए अविष्कारों को पेटेंट किया गया है। मैक इन इंडिया के तहत चिकित्सकों के प्रयासों को इससे संबल मिलेगा।

उन्होंने बताया कि 20 साल के लिए उन्हें यह पेटेंट दिया गया है। अभी इस उपकरण का क्लिनिकली टेस्ट शुरू नहीं किया गया है, लेकिन जल्द इसी शुरुआत मरीज़ को गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के लिए की जायेगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह पेटेंट अपने आप में पहला एसा उपकरण होगा जो दंत चिकित्सा में काफ़ी कारगर साबित होगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेजो में प्रोफ़ेसरों को अब सिर्फ़ पढ़ने के लिए नहीं चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति लाने के भी अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे है। हमने इस उपकरण के लिए एक साल तक मेहनत की है। कई लेवल पर जाँच और परख के बाद भारत सरकार ने हमे इसका पेटेंट दिया है जो ना सिर्फ़ चिकित्सा जगत के लिए बल्कि भीलवाड़ा के लिए भी गौरव की बात है।

बीकानेर में 27.4 डिग्री के पास पहुंचा पारा

■ पिछले चौबीस घंटे में प्रदेशभर में सबसे कम तापमान चूरू में रहा, जो 5.2 डिग्री सेल्सियस है

बीकानेर, (निसं)। यहां गर्मी की आहट हो गई है। तापमान में उतार-चढ़ाव के बाद अधिकतम पारा तीस डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया है। इस सीजन की सर्दी लगभग रवानगी ले चुकी है। अब दिसम्बर और जनवरी की जितनी सर्दी नहीं पड़ने वाली है। मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में मौसम शुष्क बताया है।

पिछले चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस है। पिछले दिनों की तुलना में अधिकतम पारा लुढ़ का है, इसके बाद भी गर्मी कम नहीं हुई है। रात में न्यूनतम तापमान में फिर दो डिग्री की बढ़ोतरी हो गई है। दोपहर में गर्म कपड़े और सुबह व रात में टोपी पहनने की जरूरत नहीं पड़ रही है। आने वाले दिनों में पारा घटने के बजाय बढ़ सकता है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेशभर में सबसे कम तापमान चूरू में रहा, जो 5.2 डिग्री सेल्सियस है।

कोई भी ऐसा मौसम केंद्र नहीं है, जहां तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम आंका गया हो। माना जा रहा है कि इस बार गर्मी की आहट समय से पहले हो गई है। आमतौर पर पंद्रह फरवरी के बाद सर्दी कम होती है लेकिन इस बार पहले ही तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। इन दिनों सामान्य से ज्यादा पारा है। लगभग सभी जिलों में तापमान सामान्य से एक से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं जयपुर में ये चार डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।

नुकसान के मुआवजे के लिए धरना-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर, (निसं)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सदस्यों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर धरना लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन सदस्यों का कहना था कि किसानों को पिछले दिनों तेज सर्दी के दौरान सरसों की फसल में पाले से नुकसान हुआ है।

खास बात यह है कि कई जगह सर्वे की कार्रवाई भी नहीं हुई है। ऐसे में किसान परेशान हैं। ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष मुकेश गोदारा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर रहे इन लोगों का कहना था कि जिले में बड़ी संख्या में किसानों ने सरसों की फसल बोई है। सरसों की फसल जब पकाव पर थी, उसी दौरान तेज सर्दी और पाळे से फसलों को नुकसान हो गया। इससे इलाके के खेतों में कई जगह किसानों की मेहनत खराब हो गई है।

इस बारे में किसानों ने कई बार प्रशासन को जानकारी भी दी लेकिन प्रशासन ने इस पर पूरी गंभीरता नहीं दिखाई। इस अवसर पर हुई सभा में संगठन के जिलाध्यक्ष गोदारा ने कहा कि सरकारें किसान की बात नहीं सुन रही हैं। अगर ऐसा हुआ तो किसान के पास अपनी बात सुनाने के लिए ताकत है। प्रदर्शन में इकबाल सिंह, बलदेव सिंह, भरत खोथ, नरसीराम, मनीष, महेंद्रप्रताप सहित कई लोग मौजूद थे।

डंडों से पीट-पीटकर ऊंट की हत्या

■ ऊंट ने अपने मालिक की जान ले ली थी

नोखा, (निसं)। कस्बे में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक परिवार के लोगों ने एक ऊंट को पेड़ से बांधा और डंडों से पीट-पीटकर उसकी जान ले ली। उन्होंने ऊंट के सिर पर तब तक वार किए गए, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है।

इसमें देखा जा सकता है कि लोगों ने ऊंट की गर्दन पेड़ में फंसाई और डंडों से उसकी ताबड़तोड़ पिटाई की। कुछ देर तो ऊंट खड़ा रहा, फिर पिटाई के असर से उसकी हालत खराब होने लगी और वह गिर पड़ा। इतनी मार खाकर ऊंट की मौत हो गई। दरअसल, इस ऊंट ने अपनी मालिक की जान ली थी, जिसके बाद लोगों ने ऊंट को मार डाला। ऊंट ने अपने मालिक सोहनराम की जान ले ली थी। सोहनराम परिवार में अकेला कमाने वाला था। उसकी मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मामला नोखा के पांचू गांव का है। मृतक सोहनराम नायक (45 साल) के परिजनों ने बताया कि सोहनराम गांव से ऊंट गाड़ी लेकर ढाणी पहुंचा था। वह ऊंट को खेत में ले जा रहा था। इस दौरान ऊंट ने सोहनराम की गर्दन पकड़ ली। सोहनराम ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह छुड़ा नहीं पाया। घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी भंवरलाल मेघवाल, सोहनराम के पिता मोहनराम मौके पर पहुंचे। लाठियों से ऊंट को दूर करना चाहा, लेकिन ऊंट के मुंह में गर्दन होने से सोहनलाल लहूलुहान हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने जैसे-तैसे ऊंट को कब्जे में लिया। वहीं, घटना के बाद जमा भीड़ ने ऊंट को पीट-पीट कर मार डाला। गुस्साए लोगों का कहना है कि अगर ऊंट जिंदा रहता तो वह और कई लोगों को नुकसान पहुंचाता।

मृतक के बुआ के लड़के नेमाराम नायक ने बताया कि सोहनराम ने 20 दिन पहले ही यह ऊंट खरीदा था। इस कारण उसे ऊंट के स्वभाव की पहचान नहीं थी। ऊंट स्वभाव से हिंसक था। सोहनराम ऊंटगाड़ी चलाकर ही अपने परिवार का गुजारा करता था। सोहनराम के 5 बेटे और 2 बेटियां है। सबसे बड़ा बेटा 18 साल का है। थानाधिकारी मनोज यादव ने बताया ऊंट सोहनराम नायक का पालतू जानवर था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'राजस्थानी भाषा बहुत मीठी और अपनत्व की भाषा है प्रधानमंत्री जी'

राजेन्द्र जोशी

देश की राजनीति में राजस्थान चर्चा का विषय बना हुआ है, केन्द्र सरकार की विचारधारा के विपरित सोच की सरकार राजस्थान में सत्ता पर काबिज है। सरकारों के भीतर-बाहर भूचाल तो बना रहता ही है।बरसो पहले राजस्थान विधान सभा ने सर्वसम्मति से राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का आग्रह भारत सरकार से कर चुकी है ।

राजस्थानी संस्कृति और राजस्थानी भाषा की मिठास का कोई सानी नहीं है, यह पूरी दुनिया जानती है, पिछले दिनों मानगढ़ में गुजरात के आदिवासियों को वोट में तब्दील करने के लिए एक बड़ा जलसा हुआ । इस जलसे के माध्यम से गुजरात चुनाव में प्रधानमंत्री को सफलता मिली । कुछ दिनो पहले गुर्जरों को रिझाने की कवायद भी हुई थी।

जोधपुरी सूट और राजस्थानी पगड़ी का तो कहना ही क्या, देश के बड़े-बड़े राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों के सर पर राजस्थानी पगड़ी शोभायमान हुआ करती है। इन सबके साथ ही देश की दो बड़ी पंचायत है लोकसभा और राज्यसभा उनके प्रमुख भी राजस्थान से आते है।

पर्यटन की दृष्टि से पुराने रजवाड़ों की शान शौकत देखने के लिए भी सबसे पहले राजस्थान का चयन किया जाता है, राजस्थान की हवेलियां राजस्थान के गढ़ पूरी दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। इसी प्रकार राजस्थान का खान-पान भी लोगों के जुबान पर रहा है और अब तो राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद भी पूरे देश को और खासकर प्रधानमंत्री जी एवं उनकी पूरी सरकार को मीठा लगने लगा है, मोटे अनाज के राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद दिल्ली में प्रधानमंत्री जी एवं उनके मंत्रिमंडल के साथ सभी सांसदों ने अपने खाने में सामूहिक रूप से राजस्थानी व्यंजन बनवाएं, खाए और उसकी तारीफ की । तारीफ तो करनी थी पहले से पता था कि राजस्थानी व्यंजन बहुत स्वादिष्ट होते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीति में सफलता का मार्ग राजस्थान से होकर निकलता है, भारत सरकार ने मोटे अनाज के व्यंजनों का भोज आयोजित किया इस भोज में राजस्थानी खाने का स्वाद लिया गया बाजरे की रोटी, खिचड़ी ,राबड़ी, हल्दी की सब्जी, कैर- सांगरी, काचरी व ग्वार फली की सब्जी को चटकारे लेकर भारत सरकार ने खाया।

स्वस्थ रहने के लिए राजस्थान का मोटा अनाज काम आता है, वोट बटोरने के लिए राजस्थान सबसे पहले याद आता है, नेतृत्व में सहयोगी के रूप में राजस्थान के लोग भरोसेमंद होते है, परन्तु उन राजस्थानी सहयोगियों और नेताओं की भाषा को सम्मान क्यों नहीं मिल रहा। इन सबके बावजूद राजस्थानी भाषा को मान्यता देने में भारत सरकार चुप क्यों है। लोकसभा और राज्यसभा में कुल मिलाकर हमारे 35 सांसद राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हमारे ये 35 सांसद प्रधानमंत्री जी को यह क्यों नहीं बताते कि प्रधानमंत्री जी आपके लिए राजस्थान इतना महत्वपूर्ण है तो उसकी जुबान का ताला भी खोल दीजिए। राजस्थानी भाषा भी बहुत प्यारी है उस राजस्थानी का सम्मान कीजिए। उसका भी स्वाद हमें लेने दीजिए। कहना चाहिए कि राजस्थानी भाषा भी बहुत मीठी और अपनापन लिए है। इस राजस्थानी भाषा की बात सुन लीजिए, पढ़कर देख लीजिए राजस्थानी संस्कृति को आप नजदीक से देख रहें है आपको लगता है कि दुनिया की सबसे मीठी राजस्थानी भाषा है। इसमें कळेस नहीं राजस्थानी का मीठा स्वाद है। स्वाद के मान्यता क्यों नहीं।

लेखक राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कोषाध्यक्ष है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

सार-समाचार

दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में भूस्थानिक प्रौद्योगिकी, भौगोलिक सूचना तंत्र एवं इमेज प्रोसेसिंग सोफ्टवेयर्स पर दो दिवसीय कार्यशाला बुधवार को सम्पन्न हुई।कार्यषाला की संयोजिका विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने बताया कि स्कैनपॉइंट जियोमैटिक्स लिमिटेड (एसजीएल), अहमदाबाद एवं रुसा के तहत विभाग में स्थापित भूस्थानिक कौषल विकास एवं अद्यमिता प्रकोश्ठ के संयुक्त तत्वावधान में अकादमिक उद्योग सहयोग कार्यक्रम के तहत इस कार्यषाला का आयोजन किया गया था। इसमें उदयपुर संभाग के नगर नियोजन एवं वन विभाग के प्रतिनिधि एवं विष्वविद्यालय भूगोल एवं भूगर्भ षास्त्र विभाग के षिक्षकों सहित पन्द्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो दिनों में एसजीएल के विषेशज्ञ राजबीर सिंह, दिषा चौहान एवं सौरवी घोशने रिमोट सेंसिंग एवं भौगोलिक सूचना तंत्र तकनीक, डेटा निर्माण एवं प्रोसेसिंग में प्रषिक्षण के साथ – साथ सड़क नेटवर्क प्रबंधन, जल एवं वन संसाधन, स्मार्ट सिटी कार्यक्रम, नगर नियोजन, नगर निगम कार्य प्रबंधन, भू-राजस्व प्रबंधन, इत्यादि स्थानीय प्रषासन हेतु आवष्यक क्षेत्रों में आईजीआईएस सॉफ्टवेयर के प्रयोग का प्रदर्षन किया। कार्यषाला के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए रजिस्ट्रार सी.आर. देवासी ने कहा कि भूस्थानिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। समय के साथ तकनीकी नवाचारों ने इस प्रौद्योगिकी के प्रयोग को सरल बना दिया है। वाईस – प्रेसिडेंट राजबीर सिंह ने कहा कि भूगोल विभाग के अकादमिक कार्यक्रमों में एसजीएल की ओर से पूर्ण सहयोग किया जायेगा। कार्यक्रम के विषिश्ट अतिथि विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर एन एस राठौड़ थे।

नुक्कड़ नाटक दल रवाना

उदयपुर, (कासं)। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता व महिला एवं बाल विकास विभाग के साझे में उड़ान योजना, बाल विवाह रोकथाम एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी व जनजागरूकता के लिए नुक्कड नाटक दल को एडीएम प्रशासन ओ.पी.बुनकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व बुनकर ने नुक्कड़ नाटक दल के कलाकारों का मेवाड़ी पगड़ी एवं उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया।महिला अधिकारिता उप निदेशक संजय जोशी ने बताया कि इस नुक्कड नाटक दल द्वारा जिले के समस्त ब्लॉक एवं चयनित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर यथा लोयरा, ईसवाल, गोगुन्दा, ओबराकला, सायरा, नान्देश्मा, जूडा, कोटड़ा, फलासिया, कोल्यारी, झाडोल, ब्राहमणों का खेरवाड़ा, नयागांव, पहाड़ा, थाणा, खेरवाड़ा, भाणदा, ऋषभदेव, भूधर, परसाद, टीडी, देबारी कुराबड, डबोक चौराहा, मावली, वल्लभनगर मेनार भीण्डर, कानोड लसाडिया, अग्गड, सलूंबर बस्सी, झल्लारा, देवगाव, सेमारी, सदकडी, सराड़ा, चावण्ड, पीलादर, पलोदड़ा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम आमजन को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

भाजपा बड़गांव मंडल की बैठक

उदयपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी बड़गांव मंडल शहर जिला उदयपुर की मंडल कार्यसमिति की बैठक मंडल के ग्राम पंचायत लोसिंग के रामदेवरा पर संपन्न हुई। कार्यक्रम बड़गांव मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष खूबीलाल पालीवाल के मुख्य आतिथ्य एवं मंडल अध्यक्ष भूपाल सिंह राणा की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रधान प्रतिभा नागदा, ओम्कारेश्वर श्रीमाली, सोहन सिंह, कंकुलाल, शंभू गमेती, बसंतीलाल श्रीमाली, दलीचंड, मोहन गमेती, राहुल श्रीमाली, लोगर गायरी, शंकर सिंह पीपाड़ एवम् सैकड़ों कार्यकर्ता की उपस्थिति में स्थानीय तारू गमेती ने भाजपा की सदस्यत ग्रहण की। कार्यसमिति में विभिन्न मुद्दों पर वक्ताओं ने विस्तार से जानकारी दी, साथ ही नव मतदाता सूची एवं पंडित दिन दयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर निधि समर्पण पर विशेष जोर दिया गया संचालन महामंत्री मोतीलाल लौहार ने किया।

ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित

उदयपुर, (कासं)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग उदयपुर के अनुसार सत्र 2022-23 के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के व्यवसायिक एवं शैक्षणिक ऋण हेतु ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त कर जमा कराने की अंतिम तिथि 28 फरवरी रखी गई है।

सरस्वती पुस्तकालय के नवनिर्मित वाचनालय भवन का लोकार्पण

उदयपुर में जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा (बायें से दूसरे) ने सरस्वती पुस्तकालय में नवनिर्मित वाचनालय भवन व मॉड्यूलर फर्नीचर का लोकार्पण किया।

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कहा है कि सार्वजनिक पुस्तकालय और वाचनालय सही मायनों में युवाओं के कॅरियर निर्माता है, इनमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को अपेक्षित संदर्भ सामग्री और पढ़ने का बेहतर माहौल मिलता है।

कलक्टर मीणा बुधवार को गुलाबबाग स्थित सरस्वती पुस्तकालय में यूआईटी की तरफ से नवनिर्मित वाचनालय भवन और रवीन्द्र व चौकसी हैरियस की तरफ से अत्याधुनिक मॉड्यूलर फर्नीचर के लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में कई प्रकार की सरकारी भर्तियां निकाली है ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए उचित माहौल प्रदान करना हमारी सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रही चौकसी व रवीन्द्र हैरियस की सीएसआर हेड नम्रता चौकसी ने कहा कि संस्थान सीएसआर के तहत शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराने में विशेष रूचि रखता है और भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

कार्यक्रम को सुनील गुप्ता, जनसंपर्क उपनिदेशक डॉ. कमलेश शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष कमल दक ने भी संबोधित किया। इस मौके पर यूआईटी के अभियंता निर्मल सुथार, अमृतलाल जोशी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व प्रबुद्धजन मौजूद थे।

तीन दिवसीय अमृतयात्रा चित्र प्रदर्शनी का समापन

झाड़ोल में केंद्रीय संचार ब्यूरो की चित्र प्रदर्शनी के समापन समारोह को थानाधिकारी श्रवण जोशी (बायें) ने संबोधित किया।

उदयपुर/झाड़ोल, (कासं)। कड़ी प्रतियोगिता वाले इस दौर में सूचना सबसे बड़ी सम्पत्ति है। जिसके पास पर्याप्त जानकारी है, वह हर तरह की प्रतियोगिता में सफलता हासिल कर सकता है। इस दृष्टि से केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। यहाँ पर भारत के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई है। उक्त उद्गार झाडोल पंचायत समिति प्रधान राधा देवी परमार ने व्यक्त किए।

वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय-उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अमृतयात्रा चित्र प्रदर्शनी के अंतिम दिन आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान सरकार श्रम एवं सतर्कता समिति के सदस्य अमर सिंह झाला ने कहा कि हमारे देश को अनेक लोगों के बलिदानों के कारण स्वतंत्रता हासिल हुई है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनके बारे में जाने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। इस प्रदर्शनी में ऐसे अनेक बलिदानियों की जानकारी हासिल की जा सकती है। झाडोल थानाधिकारी श्रवण जोशी ने कहा कि युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया का उपयोग सोच-समझ कर करना चाहिए तथा समय-समय पर अपने जीवन का आत्मवलोकन करना चाहिए। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. सुधीर जोशी ने कहा कि यह प्रदर्शनी छात्र-छात्राओ के लिए उपयोगी है। उन्हेंने उपस्थित जनसमुदाय से आग्रह किया कि इस प्रदर्शनी से प्राप्त जानकारी अपने तक सीमित ना रखें तथा अपने आस-पास वंचित परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास करें।

ज्ञापन दिया

उदयपुर, (कासं)। तेली साहू समाज सेवा समिति ने बुधवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोप कर राजू परमार के हत्यारो को जल्द गिरफ्तार करने सहित परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने परिवार के सदस्यों की सुरक्षा देने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि इस जघन्य हत्याकाण्ड से समाजजनो मे काफी रोष है।

सार-समाचार

घर-घर संपर्क हेतु कांग्रेस ने किया दौरा

उदयपुर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा के संदेश को घर-घर पहुंचाने के लिए बुधवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी के बी ब्लॉक के वार्ड 56 में हाथ से जोड़ों अभियान के तहत घर घर संपर्क हेतु सघन दौरा किया गया। शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा,पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया,पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर मधुसूदन शर्मा तथा उपाध्यक्ष रियाज हुसैन के सानिध्य में वार्ड 56 की क्षेत्रीय पार्षद शहनाज़ अयूब एवं पूर्व पार्षद व शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मो. अयूब एवं यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश निमावत के नेतृत्व में सघन दौरा किया गया। ध्वज अभिवादन के बाद बोरवाड़ी, नाईवाडा,कारवाड़ी, खटीकवाडा तथा हाथीपोल में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले हाथो में तिरंगा लिए सभी कार्यकर्ता जोरदार जोश खारोश के साथ नारेबाजी करते हुए घर घर संपर्क साधते हुए सघन पैदल मार्च किया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष सोमेश्वर मीणा, इजहार हुसैन, महिला अध्यक्ष नजमा मेवाफरोश, पार्षद हिदातुल्ला खान, बतूल हबीब, विनोद जैन, लिटिल मास्टर हैदर अली, उदियनंद, नीना पुरोहित,भारत रामानुज, विक्की तथा अर्जुन सहित कई कांग्रेसजन मौजूद थे।

झुलसी वृद्धा की उपचार के दौरान मौत

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर कस्बे मे झुसली वृद्धा एवं हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 फरवरी को सेरिया सलूम्बर निवासी धापूबाई (75) पत्नी अमरचंद जैन हादसे में झुलस गई थी। इस दौरान मकान के बाहर निकलने पर चिल्लाने की आवाज सूनकर आए लोगों ने आग पर काबू कर उसे उपचार के लिए सलूम्बर चिकित्सालय पहुंचाया। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां मंगलवार रात में उसकी मौत हो गई। इसी तरह गत दिनों सलूम्बर कस्बे में दो कारों की भिडंत होने से घायल तुलसियों का नामला सलूम्बर निवासी उदयलाल पुत्र केवा मीणा (38) की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पूर्व छात्र समिति की बैठक

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय पूर्व छात्र समिति की आमसभा की बैठक विधि महाविद्यालय में हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सेमीनार इत्यादि के आयोजन और व्यय के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर अधिवक्ता अरुण व्यास और अधिवक्ता व पूर्व पार्षद दिनेश गुप्ता ने समिति को आर्थिक योगदान पूर्व छात्र समिति को किया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शाखा कार्यालय: एसएसआई सुखेर, एनएच-8, उदयपुर, राजस्थान-313001
फोन: 0294-2513197/ 2440510, मोबाईल: 8875006670
ई-मेल: indsuk@bankofbaroda.com

अनुबंध-क अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है", "जितनी भी उपलब्ध है" और "दायित्व रहित" के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/ जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

ऋणियों/जमानतदारों/ बंधककर्ता के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि (ईएमडी) एवं, बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (प्रतीक्षित/ वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
श्री मोहन लाल कुम्हार पुत्र श्री जीवाजी कुम्हार एवं श्री विष्णु प्रजापत पुत्र श्री मोहन लाल कुम्हार तेलीवाड़ा माताजी रोड के पास, बेदला, उदयपुर, राजस्थान जमानतदार- श्री गुनवन्त सिंह देवड़ा पुत्र श्री चतुर सिंह सुखदेवी भवन, माताजी मुख्य रोड, बेदला उदयपुर, राजस्थान	श्री मोहन लाल कुम्हार पुत्र श्री जीवाजी कुम्हार के नाम आवासीय सम्पत्ति जो बेदला लिंक रोड, गांव सापेटिया, तहसील गिर्वा, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 4171.00 वर्ग फीट है। सीमाएं- पूर्व: हिम्मत मार्बल एवं ट्रिनिटी मार्बल, पश्चिम: श्री नरेश कुम्हार का प्लॉट, उत्तर: श्री बंशी लाल जी कुम्हार का प्लॉट, दक्षिण: बेदला- सुखेर लिंक रोड।	रूपये 11,28,693.94 दिनांक 28.02.2021 को बकाया एवं दिनांक 01.11.2020 से ब्याज व अन्य वसूली खर्च इत्यादि। वर्तमान बकाया राशि रू. 14,10,691.64 दिनांक 06.02.2023 को बकाया एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्च इत्यादि।	14.03.2023 दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 65,00,000/- धरोहर राशि- रूपये 6,50,000/- बोली वृद्धि राशि- रूपये 25,000/-	प्रतीक्षित	06.03.2023 सुबह 11:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक

अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं https://ibapi.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से दूरभाष नं.- 0294-2513197/2440510, मोबाईल नं. 8875006670 पर संपर्क कर सकते है।
दिनांक: 08.02.2023
स्थान: उदयपुर
(शैलेन्द्र प्रताप कैलानी)
प्राधिकृत अधिकारी

पिम्स मेवाड़ कप क्रिकेट: टाइटन व स्पार्टन ने दर्ज की जीत

टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

उदयपुर, (कासं)। फील्ड क्लब मैदान पर पिम्स मेवाड़ क्लब क्रिकेट की ओर से चल रही टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को खेले गए मुकाबलों में अंतर्राष्ट्रीय और आईपीएल खिलाडियों से सजी जोधपुर के स्पार्टन क्लब ने प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। वहीं टाइटन क्लब ने भी रॉकवुड को हराया।

जोधपुर की जीत में आईपीएल खिलाड़ी प्रियम गर्ग और शुभम गढ़वाल का योगदान रहा, जिन्होंने दूसरे विकेट की लंबी साझेदारी कर विपक्षी टीम के हाथों से जीत छीन ली। मुकाबलों के दौरान आयोजन समिति के लक्की ड्रा को लेकर खेलप्रेमियों और दर्शकों में उत्सुकता बनी रही। आयोजक बिलाल अख्तर और हर्षित धायभाई ने बताया कि पहले मुकाबले में मेवाड़ टूरिज्म क्लब ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 132 रन बनाए, जवाब में स्पार्टन एकेडमी जोधुपर ने तीन विकेट खोकर 13.4 ओवर में जीत के आवश्यक रन बना लिए। शुभम ने 50, नरेंद्रसिंह तोमर ने 49 और प्रियम गर्ग ने 48 रन का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच सुरेंद्र गोदारा रहे। दूसरे मुकाबले में रॉकवुड ने निर्धारित ओवर में 158 रन का स्कोर खड़ा किया। इसे टाइटन क्लब ने 18.4 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच राहुल शर्मा रहे जिन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके। पिम्स के नमन अग्रवाल खिलाडि़यों की हौंसला अफजाई करते रहे। मैचों के उपरांत राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन सचिव महेंद्र शर्मा, जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष मनोज भटनागर ने पुरस्कार दिए। वहीं अतिथियों ने लॉटरी भी खोली और विजेता का पुरस्कृत किया गया।

महिला समाधान समिति की बैठक

उदयपुर, (कासं)।संभाग स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त अंजलि राजौरिया की अध्यक्षता में हुआ। राजौरिया ने जिला एवं ब्लॉक स्तरीय महिला समाधान समितियों की नियमित बैठक आयोजन कराने के साथ प्राप्त प्रकरणों के समयबद्ध एवं नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिये। संभागीय जिलों में महिला अपराधों के प्राप्त प्रकरणों का तुलनात्मक रूप से विश्लेषण कर पुलिसकर्मियों के संवेदनशील होकर कार्य करने एवं प्राप्त प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। साथ ही महिला हेल्पलाइन, महिला सुरक्षा सलाह केन्द्र एवं वन स्टॉप सेन्टर पर प्राप्त प्रकरणों एवं कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013 संबंधी प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने ब्लॉक एवं जिला स्तर पर महिलाओं के लिए महिला संसाधन केन्द्र की स्थापना के साथ ही विभिन्न कार्यालयों, उपक्रम, संगठन एवं संस्थाओं में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आंतरिक शिकायत समितियों के शीघ्र गठन एवं पुनर्गठन कराने के निर्देश दिये।

किडनी ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में नवीन परिवर्तनों पर दिया व्याख्यान

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में हाल ही में हो रहे नवीन परिवर्तनों को लेकर साइंटिफिक सेशन में चर्चा की गयी। वक्ता के रूप में अमेरिका से सर्जन डॉ अभिनव हूमर शामिल हुए, जोकि उदर प्रत्यारोपण सर्जरी के प्रोफेसर और प्रमुख-डिवीजन,थॉमस ई. स्टारज़ल प्रत्यारोपण संस्थान के क्लिनिकल डायरेक्ट; ट्रांसप्लांटेशन सर्जरी में थॉमस ई. स्टारज़ल,प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं व प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अग्रणी हैं। डॉ अभिनव ने किडनी ट्रांसप्लांट को करने से पहले आवश्यक सावधनियां, किडनी ट्रांसप्लांट होने के पश्चात् रोगी का जीवनस्तर व वायरल इन्फेक्शन, नयी थेरेपी, इत्यादि पर व्याख्यान साझा किया। डॉ अभिनव ने यह भी बताया कि अभी किडनी ट्रांसप्लांट के लिए एच.एल.ए मैचिंग तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। एपीलेट मैचिंग अभी प्रायोगिक स्तर पर है, इसकी सहायता से डोनर और रेसिपेंट के बीच की मैचिंग को ज़्यादा सटीकता से किया जा सकेगा जिससे की परिणाम में अधिक सुधार देखने को मिलेगा।

> 'किडनी ट्रांसप्लांट के लिए एच.एल.ए मैचिंग तकनीक का किया जा रहा है अभी उपयोग'

सीईओ प्रीतम तम्बोली (बांये से दूसरे), मेडिकल सुप्रीडेन्ट डॉ. सुनीता दशोतर (दायें से दूसरे) ने डॉ अभिनव हूमर (बीच में) को सम्मानित किया।

साइंटिफिक सेशन के दौरान गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्रत्यारोपण टीम से सीटीवीएस सर्जन डॉ संजय गाँधी, यूरोलोजिस्ट डॉ पंकज त्रिवेदी, डॉ विश्वास बहेती, जी.आई. सर्जन डॉ कमल किशोर बिश्नोई व अन्य विभागों से आये डॉक्टर्स ने चर्चा के साथ सवाल- जवाब भी किये।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | भारत सरकार | G20

नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत

आइए, हम सब मिलकर नशे को लेकर सही जानकारी साझा करने और नशा मुक्त भारत की कल्पना को साकार करने की प्रतिबद्धता को दोहराएं।
– नरेन्द्र मोदी

25 नशा मुक्ति उपचार केंद्रों का राष्ट्र को समर्पण

- उपचार केंद्र में मुफ्त नशा मुक्ति उपचार, परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध
- उपचार केंद्र में प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध
- मेडिकल जाँच के आधार पर उपचार केंद्र में आसानी से भर्ती
- 125 चिन्हित जिलों में नशा मुक्ति उपचार केंद्र स्थापित की जाएंगी

श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार
के कर कमलों द्वारा
डॉ. वीरेन्द्र कुमार
माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार
की गरिमामयी उपस्थिति में

गुरुवार, 09 फरवरी, 2023 को प्रातः 11:00 बजे
डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
15 जनपथ, नई दिल्ली

cbc 38101/13/0033/2223

अपने नजदीकी केंद्र के जानकारी के लिए QR कोड को स्कैन करें
24X7 टोल फ्री राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइनः 14446
अधिक जानकारी के लिए https://nmba.dosje.gov.in/index.php पर लॉग ऑन करें।
सोशल मीडिया पर फॉलो करें /नशामुक्त भारत अभियान

बी.एस.एफ. ने की सख्ती, बॉर्डर से सीमा के दो कि.मी. अंदर तक खनन गतिविधि पर रोक लगाई

बी.एस.एफ., पुलिस और प्रशासन ने तारबंदी से 250 मीटर पर हुए अवैध खनन वाले स्थान का जायजा लिया

- हालात देखने के बाद 'चक 25 बीएसएम' के मुरबा नंबर 9/10 में अवैध खनन की पुष्टि हुई
- एलएनटी मशीन से खुदाई के निशान भी मिले। दल ने तारबंदी तक निरीक्षण किया

बीकानेर, (निसं)। जिले से लगती पाक सीमा के दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगा दी गई है। बीएसएफ, पुलिस, प्रशासन और खनन विभाग के दल ने हालात को देखते हुए यह फैसला लिया है।

बीएसएफ ने साफ कह दिया है कि दो किमी में खनन नहीं होने दिया जाएगा। पहले यह रोक बॉर्डर पर एक किमी तक ही थी। बीकानेर से करीब 180 किमी दूर भारत-पाक सीमा के एक किमी एरिया में जिप्सम के अवैध खनन की जांच शुरू हो गई। बीएसएफ डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ अधिकारियों को लेकर मौके पर पहुंचे। एरिया में हालात देखने के बाद दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगाने का निर्णय लिया है।

कलेक्टर को भी इसकी जानकारी दी है। एएसपी ग्रामीण सुनील कुमार, उपखंड प्रशासन और खनन विभाग के दल ने भी तारबंदी से 250 मीटर पर हुए अवैध खनन वाले स्थान का जायजा लिया। वहां एलएनटी मशीन से खुदाई के निशान भी मिले।

दल ने तारबंदी तक निरीक्षण किया। उसके बाद कावेरी, सुमेर, सांचू, मारुती सीमा चौकियां भी देखी। पूरे क्षेत्र में खनन की जानकारी ली और स्थान चिन्हित किए। बीएसएफ और ग्रामीणों से भी पूछताछ की। टीम पांच-छह घंटे बॉर्डर पर रही। मौके पर हालात देखने के बाद चक 25 बीएसएम के मुरबा नंबर 9/10 में अवैध खनन की पुष्टि हो गई। रणजीतपुरा थाने में एसएचओ भूप सिंह की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ जिप्सम चोरी को मुकदमा दर्ज किया गया है।

एएसपी ने बताया कि जांच अभी जारी है। बीएसएफ की कुछ चौकियां देखी हैं। पूरे एरिया का बारीकी से निरीक्षण किया जाएगा।

बीएसएफ के डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड ने कहा है कि बॉर्डर पर अवैध खनन रोकने के लिए कई बार कलेक्टर को लिख चुके हैं। एक किमी पर रोक के बाद भी भारी मात्रा में खनन हुआ है। मंगलवार को हालात देखने के बाद अब दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगा दी है। हम खनन नहीं होने देंगे। प्रशासन को बता दिया है।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने कहा है कि बॉर्डर पर अवांछित गतिविधियों और अवैध खनन की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित एसएचओ को ऐसे मामलों में सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं।

भगवती प्रसाद कलाल, कलेक्टर का कहना है कि बॉर्डर पर दो किमी एरिया में कर्फ्यू रहता है। ऐसे में अवैध खनन जैसी अवांछित गतिविधियां हो रही है। बीएसएफ, पुलिस और उपखंड अधिकारी से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह में जमकर चले जूते

- समारोह में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को बुलाने को लेकर विवाद हुआ : छात्रसंघ अध्यक्ष

कुम्हेर/भरतपुर, (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय कुम्हेर मे छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक एवं राज्य क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री सतवीर चौधरी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव सिंह पीसीसी के मेंबर एवं डॉक्टर बी एम भारद्वाज थे। छात्र संघ कार्यालय का फीता काटकर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उद्घाटन किया।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने एबीवीपी जिंदाबाद के नारे लगाए, वही कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे लगाने को लेकर राज्यमंत्री सतवीर चौधरी के साथ आए निखिल दयाल ने एबीवीपी के छात्रों से दुर्व्यवहार कर जूता मार देने पर विवाद खड़ा हुआ। पुलिस ने एबीवीपी के कृष्ण कुमार, नितेश चौधरी, सौरभ पाराशर को गिरफ्तार कर लिया। कुछ देर बाद स्टेज पर खड़े हुए राज्यमंत्री सतवीर चौधरी के साथ आए निखिल दयाल को राहुल उवार ने स्टेज पर चढ़ कर जूते मारने का बदला लिया। इस पर पुलिस ने राहुल उवार को भी 151 में गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष हितेश फौजदार ने कहा कि कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को बुलाने को लेकर विवाद हो गया। भाजपा के कार्यकर्ता ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक मोदी और संघ के खिलाफ बोलते हैं। हमारे कार्यक्रम में आने वाली बस एवं गाड़ियों को रूकवा दिया।

सतीश चौधरी ने कहा कि छात्रसंघ अध्यक्ष हितेश ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज को दबाया जा रहा है। इस देश के अन्नदाता की आवाज को भी भाजपा सरकार दबाना चाहती है। पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने किसान की आवाज को बुलंद किया है। राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी पैदल चलकर लोगों का हाल-चाल जाना है। भाजपा सरकार ने देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ ाई है तथा किसानों को तीन काले कानून मे उलझा दिया। पूर्व राज्यपाल मलिक ने एबीबीपी के छात्रों द्वारा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध करने पर कहा कि सच्चाई कहने से में डरने वाला नही हूं। मैं जब तुम्हारे आका यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नही डरता हूं तो तुम क्या मुझे डरा पाओंगे। उन्होंने कहा कि मैने हमेशा सच्चाई के साथ देश हित को देखते हुए निर्णय लिए थे।

ईनामी बदमाश गिरफ्तार

करौली, (निसं)। मासलपुर के देवरी गांव में फायरिंग व हत्या के मामले में 2 माह से फरार चल रहे 2 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मासलपुर थानाधिकारी परसोत्तम सिंह ने बताया की पुलिस ने आरोपी जोगेंद्र पुत्र श्रीपद गुर्जर निवासी देवरी थाना मासलपुर को गिरफ्तार किया है। उन्होने बताया कि एसपी नारायण टोंगस एवं एएसपी सुरेश जैफ के निर्देशन में फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत वृत्ताधिकारी करौली दीपक गर्ग के सुपरविजन में मासलपुर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 2 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया की अवकाश पर चल रहे हैड कांस्टेबल परमजीत सिंह की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया। यहां गौरतलब है की 30 नवंबर को देवरी गांव में खेत जुताई के भुगतान की बात को लेकर हुए विवाद में आरोपियों द्वारा बंदूकों से फायरिंग की गई। जिसमें एक महिला राजेश देवी गुर्जर निवासी देवरी की गोली लगने से मौके पर ही मौत व दो लोग घायल हुए थे। मामले को लेकर देवरी निवासी समुंदर सिंह द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। जिस पर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही की गई और 7 आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर हथियारों की बरामदगी की गई।

राजस्व नियमों को ताक पर रख काटी जा रही कॉलोनियां

व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि से आबादी में संपरिवर्तन करवाने के बाद उपयोग नहीं करते है और प्लॉटिंग कर भूखण्ड बेचते है तो उनका कन्वर्जन निरस्त किया जाएगाः तहसीलदार

सायला, निसं)। जालोर जिले में सायला उपखण्ड क्षेत्र के जीवाणा समेत आसपास के इलाकों में भू-माफियाओं द्वारा राजस्व नियम कायदों को ताक पर रखकर कॉलोनियां काटी जा रही हैं। कृषि भूमि का भू-उपयोग बदलने के नियम का भी कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। यह खेल प्रशासनिक स्तर पर कथित सांठगांठ से चल रहा है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान भूमि राजस्व (ग्रामीणों क्षेत्रों में .षि भूमि का अ.षि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम 2007 के नियम 2 के तहत आवासीय भूखंड, फ्लेट, गृह डवलपर्स की ओर से डवलप करके ही बेचा जा सकता है। आवासीय भूखंड को संपरिवर्तन करने का तहसीलदार को ढाई बीघा (4000 वर्ग मी.) और आवासीय कॉलोनी या प्रोजेक्ट के लिए उपखंड अधिकारी को 6.25 बीघा (10000 वर्ग मी.) तक भूमि को संपरिवर्तन का अधिकार है। वहीं आवासीय कॉलोनी में कुल भूमि का 60 फीसदी आवास उपयोग के लिए आरक्षित है। शेष 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द करनी होती है। जिसमें सड़क, बगीचा आदि विकसित करने होते है। लेकिन जीवाणा क्षेत्र में राजस्व नियमों के विपरीत अधिकांश कॉलोनियां राज्य राजमार्ग सडक के किनारे एवं गांव के बाहरी रास्तों पर काटी जा रही हैं। जिसमें जीवाणा-सिणधरी रोड, जीवाणा-भूण्डवा रोड और जीवाणा-सायला रोड आदि स्थान शामिल हैं। यहां भू-माफियाओं द्वारा गरीब काश्तकारों की कृषि भूमि को औने पौने दाम में खरीदा जाता है। इसके बाद कृषि भूमि को ढाई बीघा के टुकडों-टुकडों में व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए आबादी में संपरिवर्तित करवा लेते हैं। संबंधित व्यक्ति द्वारा भूमि संपरिवर्तन करवाने के दौरान 50 रूपये के स्टाम्प पर कृषि भूमि को आवासीय इकाई हेतु संपरिवर्तन होने के बाद आवासीय कॉलोनी अथवा प्रोजेक्ट में बेचान नही करने का शपथ पत्र दिया जाता है। लेकिन भू-संपरिवर्तन के बाद प्लॉट काट कर अलग-अलग व्यक्तियों को बेच देते हैं। इससे ना केवल सरकार को राजस्व के रूप में नुकसान पहुंचाया जा रहा है, बल्कि कॉलोनी में प्लॉट खरीदने वाले लोगों को भी ठगा जा रहा है।

यह होगा नुकसान :- आवासीय कॉलोनी में कुल भूमि का 60 फीसदी भूमि पर आवास उपयोग के लिए आरक्षित है। शेष 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द करनी होती है। जबकि व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि का ढाई बीघा के टुकडों टुकडों में भू-संपरिवर्तन करवाने पर यह 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द नही करनी पडती है। जिसका भू-माफिया फायदा उठाते है। जिसके चलते चौडी सड़क, बगीचा आदि विकसित करने के लिए सरकार के पास भूमि उपलब्ध नही होती है। वही भू-माफियाओं द्वारा प्लॉटिंग के दौरान जो सडक दिखाई जाती है वह भी सरकार को सुपुर्द नही होती है।

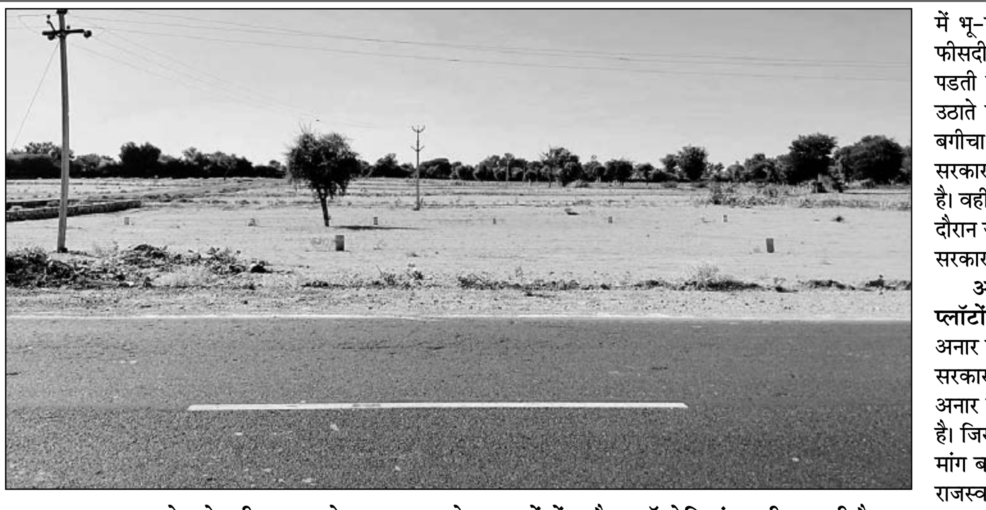

सायला उपखण्ड क्षेत्र के जीवाणा समेत आसपास के इलाकों में अवैध कॉलोनियां काटी जा रही है।

अनार का हब बनने से बढ़ी प्लॉटों की मांग :- जीवाणा क्षेत्र में अनार की बंपर पैदावार होती है। राज्य सरकार द्वारा बजट में भी जीवाणा में अनार मण्डी की घोषणा की जा चुकी है। जिसके बाद जीवाणा में प्लॉटों की मांग बढने से दाम बढ गए हैं। ऐसे में राजस्व नियमों को ताक पर रखकर नियम विरूद्ध कॉलोनियां कटने लगी हैं। किसानों से सड़क किनारे की कृषि भूमि खरीदकर प्लॉटिंग की जा रही है। जबकि इन कॉलोनियों के मानचित्र भी स्वीकृत नहीं कराए गए हैं।

कौशल्या जांगिड, तहसीलदार सायला का कहना है कि व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि से आबादी में संपरिवर्तन करवाने के बाद नियमानुसार उपयोग नहीं करते है और प्लॉटिंग कर भूखण्ड बेचते है तो उनका कन्वर्जन निरस्त किया जाएगा।

सांकड विद्युत विभाग जे.ई.एन. चार हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जालोर/सांचोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जाालेर की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए जालोर जिले के सांचोर स्थित सांकड विद्युत विभाग के जेईएन को चार हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जेईएन विनोद कुमार

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जालोर टीम को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने की एवज में विनोद कुमार कनिष्ठ अभियंता वृत सांकड, सांचोर जोधपुर डिस्कॉम, जालोर द्वारा दस हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जोधपुर के महानिरीक्षक पुलिस सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीरसिंह राणावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। उसके बाद बुधवार को पुलिस निरीक्षक दीनदयाल वैष्णव द्वारा मय टीम के ट्रेप की कार्यवाही करते हुए विनोद कुमार पुत्र दयालाल राजपुरोहित निवासी दाता, सांचोर जिला जालोर हाल कनिष्ठ अभियंता वृत-सांकड, सांचोर डिस्कॉम को परिवादी से चार हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। जेईएन विनोद कुमार की पहली पोस्टिंग विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियंता सांकड में पिछले अप्रैल 2022 को ही पहली पोस्टिंग हुई है जो मूल गांव दाता से आठ किलोमीटर दूरी है। परिविक्षिका काल में ही जेईएन विनोद कुमार ट्रैप हो गया।

खान में दबने से श्रमिक की मौत

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कडीला गांव के पास संचालित एक ग्रेनाईट की खान में मंगलवार की देर शाम को मलबे में दबने से एक श्रमिक की मौत हो गई।

थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम को जरिए दूरभाष के कडीला के पास ग्रेनाईट की खान में दबने से एक व्यक्ति की मिली मौत की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर डिग्गी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। बुधवार को मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के पुत्र की ओर से दी रिपोर्ट पर तीन जनों के विरूद्ध नामजद पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

जेईई-मेन 2023 : जनवरी सेशन का परिणाम जारी

कोटा, (निसं.)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जेईई-मेन 2023 जनवरी सेशन का परिणाम जारी कर दिया। 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य हुई बीई-बीटेक के लिए यह परीक्षा 12 शिफ्टों में हुई तथा बी-आर्क के लिए एक शिफ्ट में परीक्षा हुई। जेईई-मेन अप्रेल सेशन की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सकती है।

इस वर्ष जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए कुल 8 लाख 60 हजार 64 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। इसमें 6 लाख 3 हजार 375 छात्र एवं 2 लाख 56 हजार 686 छात्राएं थी। रजिस्टर्ड विद्यार्थियों में से कुल 8 लाख 23 हजार 967 स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें 5 लाख 80 हजार 037 छात्र एवं 2 लाख 43 हजार 928 छात्राएं थी। परीक्षा में सम्मिलित स्टूडेंट्स में सामान्य श्रेणी के 3,11,539, ईडब्ल्यूएस के 98587, ओबीसी के 366089, एससी के 77368, एसटी के 27483 एवं विकलांग श्रेणी के 2301 शामिल हैं।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एनटीए द्वारा शुरू की गई जेईई-मेन परीक्षा के इतिहास में इस सेशन में विद्यार्थियों की उपस्थिति सर्वाधिक रही। इस परीक्षा में रजिस्ट्रेशन की तुलना में रिकॉर्ड 95.80 प्रतिशत विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें सर्वाधिक 30 जनवरी को 96.31 प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं 1 फरवरी को 95.12 प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित रहे। 12 शिफ्टों में हुई इस परीक्षा में कुल 20 स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर प्राप्त किया, यानी कुछ शिफ्टें ऐसी भी रहीं जिसमें एक से अधिक स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया।

ये रहे कैटेगरी टॉपरः- सामान्य श्रेणी से बिकिना अभिनव चौधरी, ओबीसी से एनके विश्वजीत, ईडब्ल्यूएस से कृष गुप्ता, एससी से देशांक प्रताप सिंह, एसटी से दिव्यरथ थनुज एवं शारीरिक विकलांग कैटेगरी में साहिल अख्तर तथा छात्रा वर्ग में मिसाला प्रनिथी ने टॉप किया।

16 फरवरी को होंगे साक्षात्कार

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 16 फरवरी 2023 को सहायक आचार्य- होम साइंस (क्लॉथिंग टैक्सटाइल) के पदों हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। आयोग सचिव एचएल अटल ने कहा कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार में सम्मिलि त होने वाले सभी अभ्यर्थी अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। इनके अभाव में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

बिजली चोरी पकड़ने गए सतर्कता दल पर ग्रामीणों ने हमला किया

करीब आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त, सहायक अभियंता को भी हाथ में चोट आई

राजगढ़, (निसं)। अलवर के पास राजगढ़ क्षेत्र के धमरेड ग्राम में अनावड़ा मार्ग पर छतरी का बास में बुधवार प्रातः बिजली चोरी पकड़ने गए सतर्कता दल पर ग्रामीणों ने हमला कर करीब आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए। इस घटनाक्रम में सहायक अभियंता द्वारका प्रसाद को भी हाथ में चोट आई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश कॉलोनी महेश नगर निवासी हाल अधिशासी अभियंता जेवीवीएनएल राजगढ़ देवेंद्र कुमार शर्मा ने मामला दर्ज कराया कि 8 फरवरी को प्रातः 5 बजे कृषि क्षेत्र में बिजली चोरी की शिकायत पर खंड स्तरीय संयुक्त दल दम रेड के अनावड़ा मार्ग पर छतरी का बास में नत्थू राम रघुवीर सिंह कैलाश वगैरह कृषि विद्युत कनेक्शन की जांच में चोरी करते पाए गए।

इन लोगों ने चोरी के लिए हाथ से निर्मित डिम्मा ट्रांसफार्मर एवं केपीसीटर बैंक लगाकर विद्युत चोरी करते मिले। इस पर सामान जप्त कर ऑनलाइन बीसीआर की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान भीड़ जमा हो गई। रामवतार यादव, शिवलाल यादव, रघुवीर सिंह, कैलाश एवं नत्थू राम, श्रीराम एवं अन्य करीब दो दर्जन व्यक्तियों ने लाठी-डंडों एवं पत्थरों से वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटनाक्रम में सहायक अभियंता द्वारका प्रसाद के हाथ में चोट आई। मारपीट एवं पथराव की घटना में राजगढ़ एवं टहला क्षेत्र की करीब आधा दर्जन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने राजकार्य में बाधा एवं संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पथराव में क्षतिग्रस्त हुई सरकारी गाड़ी।

बबाई में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव

- पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की

खेतडी, (निसं)। उपखंड के बबाई में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव करने के मामले में प्रशासन की ओर से थाने में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि तहसीलदार विवेक कटारिया ने रिपोर्ट दी कि बबाई के 400 केवी जीएसएस के सामने राजकीय भूमि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा में बबाई में औद्योगिक क्षेत्र बनाने की घोषणा की गई थी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर भूमि खसरा नंबर 172 भूमि उद्योग क्षेत्र के लिए प्रस्ताव तैयार कर एसडीएम की अभिशंसा पर प्रस्ताव तैयार कर जिला कलेक्टर को भिजवाया जा चुका है। औद्योगिक क्षेत्र की भूमि में आत्माराम, सुल्तान बंजारा निवासी अशोकनगर के द्वारा अवैध अतिक्रमण की नियत से निर्माण कार्य शुरू किया गया था। जिस पर बबाई भू अभिलेख निरीक्षक व हल्का पटवारी द्वारा निर्माण कार्य बंद करने के लिए उन्हें पाबंद भी किया गया था। इस दौरान प्रशासन की ओर से उन्हें हिदायत दी गई थी कि उक्त भूमि औद्योगिक क्षेत्र प्रस्तावित हो चुकी है। इसमें किसी प्रकार का कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाए। लेकिन आरोपियों ने प्रशासन की चेतावनी को नजरअंदाज कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा था। जिस पर प्रशासन की टीम ने पुलिस चौकी बबाई के जाब्ते के साथ निर्माणधीन निर्माण को हटाने के लिए पहुंची तो सुरजाराम, रघुवीर, आत्माराम, पप्पू राम, सुल्तान, अनिल, संदीप व तीन-चार अन्य महिलाओं ने एक राय होकर प्रशासन की टीम पर पथराव कर दिया। इस दौरान तीन-चार महिलाओं ने महिला पटवारी सरिता को जान से मारने का प्रयास करते हुए राजकार्य में बाधा पहुंचाई। इस दौरान पथराव कर रहे आरोपियों ने जानबूझकर पथराव से गाडियों के शीशे तोड दिए तथा राजकार्य में बाधा पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। सीआई विनोद सांखला ने बताया कि पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ई-निविदा की संक्षिप्त सूचना

राजस्थान विश्वविद्यालय में स्वीकृत पदों के विरूद्ध रिक्त पदों पर एजेन्सी के माध्यम से कार्मिकों की सेवाएँ लेने हेतु पृथक-पृथक ऑन लाईन अल्पकालीन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अतः इच्छुक फर्म/कम्पनी/निविदादाता दिनांक 15.02.2023 को अपरान्ह 01.30 बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट पॉर्टल पर ई-निविदा अपलोड कर सकते हैं तथा निविदा प्रपत्र एवं शर्तो का विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.uniraj.ac.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है। UBN NO. URA2223SLOB00182 (तकनीकी कर्मचारियों बाबत्) UBN NO. URA2223SLOB00183 (गैर तकनीकी कर्मचारियों बाबत्)

कुलसचिव

कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द

क्रमांकः-जिपरा/क0लि0 भर्ती-2013/प्र0सू0तृ0/2022-23/2190 दिनांक 8-02-2023

विज्ञप्ति

जिला परिषद राजसमन्द द्वारा कनिष्ठ लिपिक भर्ती हेतु 2013 के अन्तर्गत पर्याप्त संख्या में पात्र अभ्यार्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 18-01-2023 को जारी कर दिनांक 30-01-2023 तक आपत्तियां मांगी गई थी। प्राप्त आपत्तियों के निराकरण उपरान्त अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 08-02-2023 को जारी कर विभागीय पोर्टल www.rajpanchayat.rajasthan.gov.in पर अपलोड हेतु प्रेषित कर दी गई है एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है।

उक्त विभागीय वेबपोर्टल पर अपलोड अतिरिक्त तृतीय प्रतीक्षासूची में उल्लेखित क्र.सं. 1 से 50 तक के अभ्यर्थी दिनांक 13-02-2023 एवं क्र.सं. 51 से शेष समस्त अभ्यर्थी दिनांक 14-02-2023 को दस्तावेज सत्यापन एवं पात्रता जांच हेतु प्रातः 10:00 बजे से कार्यालय समय तक कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द के सभागार में अभ्यर्थी अपने साथ आवेदन पत्र मूल दस्तावेज मय स्वप्रमाणित प्रति, वांछित शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज सहित स्वयं उपस्थित होना सुनिश्चित करावें। सम्बन्धित अभ्यर्थी के निर्धारित दिनांक में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अभ्यर्थी की नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जायेगा एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु पुनः अवसर प्रदान नहीं किया जावेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी अभ्यर्थी की स्वयं की रहेगी।

(उत्साह चौधरी) IAS
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद राजसमन्द

326 करोड़ रुपये के सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की स्मगलिंग के आरोपियों को जमानत

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की विवादित रूप से खरीदने तथा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 132 और 135 के अन्तर्गत उस खरीद की जानकारी को छुपाकर शुल्क नहीं जमा करने से संबंधित मामले में आरोपियों को अदालत ने जमानत दी है। न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने रविन्द्र कुमार तथा अन्य संलग्न मामलों में आरोपियों को यह कहते हुए जमानत दी है कि इस मामले में सभी गवाह सरकारी अफसर हैं, जो इसी मामले की जांच से जुड़े हैं, अर्थात उनकी गवाही और सबूतों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इस मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर में चल रही है, इसलिये सुनवाई के दौरान उनकी जमानत खारिज करना उचित नहीं होगा।

इस मामले में कस्टम अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है जिसके अनुसार मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार, उनके सीए, ओमप्रकाश और उनके अन्य साथियों ने साथ मिलकर सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं को खरीदने के लिये 326 करोड़ 8 लाख 34 हजार रुपये की रकम को भारत से बाहर, हॉगकांग तथा यूनाईनेट अरब इमरिट्स (यू.ए.ई.) भेजी।

- **मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा, अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे**
- **याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है**

कस्टम अधीक्षक का कहना है कि कई नई फर्म तथा कई अस्तित्वहीन फर्मों के नाम से 326 करोड़ से अधिक की रकम भारत से बाहर भेजी और रविन्द्र कुमार के साथियों विक्रम सिंह और कमलेश नागदा द्वारा 200 बैंक खातों द्वारा करोड़ों रुपये का लेन-देन किया गया था। इस मामले में कस्टम अधीक्षक ने कहा कि जांच के दौरान रविन्द्र कुमार के साथी और आरोपी द्वारा इसी मामले में दूसरे अभियुक्त विक्रम सिंह को 80-90 करोड़ दिये गये थे और उसने फर्जी फर्मों के खातों से रकम को बाहर भिजवाया। इस मामले में मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा पैरवी के लिये पेश हुए थे तथा अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे।

प्रार्थीगण-अभियुक्तगण द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान कहा गया कि उन पर बढ़ा-चढ़ाकर आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया है लेकिन इस अपराध के विरूद्ध उनके पास प्रथम दृष्टया साक्ष्य पत्रावली मौजूद नहीं है। उन्हें डरा-धमकाकर एवं दवाब बनाकर कथन लेखबद्ध किये गये हैं लेकिन पूछताछ के दौरान लेखबद्ध किये ऐसे तथ्यों का अदालत में कोई महत्व नहीं होता है। प्रार्थीगण-अभियुक्तगण की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है। इस पर अदालत ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये की दो सिक्योरिटी मुचलके रखकर जमानत के आदेश दिये।

दक्षिणी-पश्चिमी कमान में अलंकरण समारोह का आयोजन

दक्षिणी-पश्चिमी कमान के सेना कमांडर अमरदीप सिंह भिंडर ने 17 सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए।

जयपुर। सेना का दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह बुधवार को बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के सगत सिंह सभागार में पारंपरिक उत्साह और सैन्य भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कुल सत्रह सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर, सेना कमांडर, दक्षिण पश्चिमी कमान द्वारा प्रदान किए गए।

अलंकरण समारोह वर्ष में एक बार उन कर्मियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत वीरता और कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण के कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है। पुरस्कार पाने वालों में नौ अधिकारी, एक सरदार और नौ सैनिक शामिल थे। 61 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही लक्ष्मण के निकट संबंधी को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया। पांच यूनिटो को सेना अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया तथा 15 यूनिटो को जीओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

सेना कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं, उनके परिवारों के साथ बातचीत की और भारतीय सेना और राष्ट्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने में उनके अमूल्य योगदान को सराहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 को

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 11 फरवरी को हाईकोर्ट सहित प्रदेश की निचली कोर्ट में साल की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से केस का निपटारा करने के लिए 8,07,142 केसों को चिन्हित किया गया है। इन केसों में 4,65,614 केस प्रिलिटिगेशन के हैं और 3,41,528 केस कोर्ट में लंबित केस हैं। इन केसों की सुनवाई के लिए 500 बेंच बनाई गई हैं। रालसा के सदस्य सचिव प्रमिल कुमार माथुर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा केसों के निस्तारण के लिए रोडवेज, परिवहन, राजस्व सहित अन्य विभागों के सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई है। इसके अलावा बैंकों व बीमा कंपनियों के अफसरों के साथ भी उनसे जुड़े केसों में निस्तारण के लिए बातचीत की है। वहीं प्री-काउंसलिंग के सेशन भी करवाए हैं और सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ रालसा ने बैठक की ताकि उनके विभाग में लंबित राजीनामे योग्य मुकदमों को सूचीबद्ध किया जा सके।

कैनवास पर उकेरे अभिव्यक्ति के रंग

जयपुर,(कासं)। मरीजों का इलाज करने वाले हाथों ने जब पेंट ब्रश पकड़ा तो कैनवास पर अच्छे से अभिव्यक्ति के रंग उकेरे। मौका था एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में आयोजित हुए लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का जिसमें डॉक्टर्स ने पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग जैसी रचनात्मक कलाओं में अपना हुनर दिखाया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम की शुरुआत की।

प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन के आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एक्टिविटीज में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग के अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें हिंदी भाषा में सामाजिक मूल्यों में निरंतर पतन का कारण इंटरनेट व सिनेमा है विषय रहा। वहीं अंग्रेजी में राइट टू यूथेनेसिया विषय पर वाद-विवाद किया गया।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया।

- **लॉन टेनिस में भी डॉक्टर्स ने आजमाए हाथ**

लिटरेचर फेस्टिवल के अलावा मेडिकल कॉलेज परिसर में लॉन टेनिस टूर्नामेंट भी आयोजित हुआ। संयोजक डॉ. जयंत सेन ने बताया कि पहले दिन दो कोर्ट में 15 मुकाबले हुए जिसमें विजेताओं ने रोमांचक जीत हासिल की। इसमें 4 मुकाबले डबल्स में जबकि 11 मुकाबले सिंगल्स में हुए।

प्रदेश में 11 को प्राइवेट हॉस्पिटल बंद रहेंगे

जयपुर,(कासं)। राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों के विरोध में प्रदेश के सभी निजी अस्पताल 11 फरवरी को 24 घंटे के लिए बंद रहेंगे। चिकित्सकों की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने इस दिन सुबह 8 बजे से 24 घंटे के लिए संपूर्ण बंद की घोषणा की है। इस हड़ताल के दौरान प्राइवेट हॉस्पिटलों में ओपीडी पूरी तरह बंद रहेगी, हालांकि इमरजेंसी सर्विस बंद रहेगी या नहीं इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

बिल में संशोधन के लिए गठित विधानसभा की प्रवर समिति की आगामी बैठक 11 फरवरी को ही प्रस्तावित है। जिसमें चिकित्सक प्रतिनिधियों से भी सुझाव लिए जाएंगे। माना जा रहा है कि इसी दिन बिल को अंतिम रूप भी दिया जाएगा। आंदोलन के तहत अब चिकित्सकों ने राज्य में राइट टू हैल्थ बिल का ही विरोध शुरू कर दिया है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ ने कहा कि डॉक्टरों की सभी आपत्तियों के बावजूद राज्य सरकार विधानसभा में इस विधेयक को पेश कर पारित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इस बिल में कई ऐसी खामियां हैं, जिनसे डॉक्टर आहत और आक्रोशित हैं।

पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर की दरें कम करने की मांग को लेकर कांग्रेस के किये जा रहे धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेण्डर के दाम बहुत ज्यादा होने से जनता का जीना हराम हो गया है। अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट में क्रूड ऑयल सस्ता होकर 81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जब 2014 में कांग्रेस की सरकार थी, तब क्रूड ऑयल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल थे, तब भारत में पेट्रोल-डीजल 70 रुपये प्रति लीटर से कम में बिक रहा था, केन्द्र सरकार 40-45 रूपये प्रति लीटर टैक्स लगाकर जनता की जेब काट रही है। केन्द्र सरकार के मंत्री रोज कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने चाहिये, इसके बावजूद पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर के दाम कम नहीं किये जा रहे हैं, पूरा देश महंगाई, गरीब और बेरोजगारी से परेशान है।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में बुधवार 16 जगहों पर कांग्रेस पार्टी ने धरना-प्रदर्शन करके, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन करके पेट्रोल-डीजल व गैस सिलेण्डर के दाम कम करने का आंदोलन शुरू किया है। जब तक यह दाम कम नहीं होंगे, कांग्रेस पार्टी सड़कों पर संघर्ष करेगी।

खाचरियावास ने कहा कि क्रूड ऑयल इतना सस्ता हो गया है कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल 60 रुपये प्रति लीटर पर जनता को मिलना चाहिये, लेकिन अडानी जैसे लोगों के साथ मिलकर घोटाला करने वाली केन्द्र सरकार 4 लाख करोड़ के घोटाले पर पर्दा डालने के लिये देश की जनता की जेब काटने का काम कर रही है, जनता कभी माफ नहीं करेगी क्योंकि हर एक घंटे में महंगाई और बेरोजगारी के कारण चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। केन्द्र सरकार का बजट पूरी तरह से फेल हो गया है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांध छः साल पहले कह चुके हैं कि अडानी का घोटाला देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर देगा, इसके बावजूद सरकार ने कदम नहीं उठाये, अब जब पेट्रोल-डीजल सस्ते होने चाहिये तो जनता की पीठ में खंजर मार रही है।

जस्टिस मेहता को गुवाहाटी का सीजे बनाने की सिफारिश

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के सीनियर जस्टिस संदीप मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे बनाने की सिफारिश की है। सीजेआई सहित तीन जजों के कॉलेजियम ने एक आदेश जारी कर कहा है कि गुवाहाटी हाईकोर्ट के सीजे आरएम छाया हाल ही में रिटायर हुए हैं और वहां पर सीजे की नियुक्ति करनी है। राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस संदीप मेहता की नियुक्ति 30 मई 2011 को की गई थी और उनका रिटायरमेंट 10 जनवरी 2025 को होना है। देश के हाईकोर्ट में सीजे पद पर राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ऐसे में जस्टिस मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने का प्रस्ताव लिया जाता है। गौरतलब है कि हाल ही में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर ही राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे पंकज मित्थल को सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया था।

कोई नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को भी लगातार दूसरे दिन कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला। इस दौरान पांच संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को भी करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार को भी कोई संक्रमित नहीं पाया गया था। राजधानी जयपुर में भी आज कोई नया मरीज नहीं मिला है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर में 5 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं। फिलहाल जयपुर में 5, उदयपुर में 3 तथा अलवर और भरतपुर में 1-1 मामला है। राज्य में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में बुधवार को 4 हजार 403 कोविड के टीके लगाये गये है। इनमें 3 हजार 474 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

फर्जी परीक्षार्थी चकमा देकर फरार

जयपुर (कासं)। गांधीनगर इलाके स्थित पोलोटेक्निक कॉलेज में एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया, जोकि चेकिंग दस्ता को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है। थानाधिकारी सुरेंद्र यादव ने बताया 7 फरवरी को झालाना स्थित राजकीय खेतान पोलोटेक्निक कॉलेज में थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान चेकिंग दस्ते ने गौरव कुमार मीणा की जगह मनीष बासलीवाल को परीक्षा देते पकड़ा गया। इस दौरान मनीष चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के नेतृत्व में पार्टी पूरे राजस्थान में मजबूत हुई'

भाजपा के आदिवासी नेताओं ने कहा, ''तीन-चौथाई बहुमत की सरकार बनेगी''

जयपुर। राजस्थान के वागड़ और हाड़ौती क्षेत्र के भाजपा के आदिवासी नेताओं ने बयान जारी कर भाजपा राजस्थान संगठन व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व की प्रशंसा की है। आदिवासी नेताओं ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, पेपर लीक, बिगड़ी कानून व्यवस्था, लंपी इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दों पर सड़क से सदन तक कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुखर है, दर्जनों से अधिक आंदोलन जयपुर से प्रदेश के सभी जिलों में किये और आगामी दिनों में होंगे, पार्टी संगठन की मजबूती से लेकर जनता की लड़ाई लड़ने में पूरी तरह सक्रिय है।

- **हेमराज मीणा का बयान, ''जनहित के मुद्दों पर सतीश पूनिया के नेतृत्व में पार्टी पूरी तरह सक्रिय, राजस्थान में यह रिकॉर्ड होगा कि सतीश पूनिया हर विधानसभा, हर जिले में पहुंचे''**

इन आदिवासी नेताओं का कहना है कि किसानों और युवाओं के मुद्दों पर आंदोलनों का नेतृत्व करते हुये सतीश पूनियां के शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और पैर तक में गंभीर फ्रैक्चर आ गया था। पुलिस-प्रशासन की तानाशाही व लाठीचार्ज के कारण और वहीं कोरोनाकाल में सेवा ही संगठन अभियान की मॉनिटरिंग, प्रदेशभर के प्रवास व फील्ड में कार्य करने के दौरान सतीश पूनिया दो बार स्वयं कोरोना संक्रमित हो गये थे, जिसमें वह महीनेभर तक अस्पताल में भर्ती रहते हुये जिंदगी और मौत से जूझे, जिसमें वह प्रदेश के कार्यकर्ताओं व जनता की दुआओं के कारण मौत को मात देकर फिर से जनता के बीच आकर लगातर संगठन की मजबूती में जुटे हैं और जनता के मुद्दों को उठाने में पूरी तरह मुखर रहते हैं। हाड़ोती संभाग के पार्टी के वरिष्ठ आदिवासी नेता व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा ने हाल ही में राजसमंद में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के बारे में किसी भी कार्यकर्ता से पूछा जा सकता है।

दीक्षान्त समारोह तीन मार्च को

जयपुर (कासं)। श्रीकर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का पंचम दीक्षान्त समारोह 3 मार्च को आयोजित होना निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह ने बताया कि स्नातक विद्यार्थियों को सत्र 2021-22 एवं स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति विद्यार्थियों को जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक उत्तीर्ण एवं नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों को उपाधिया एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये जावेगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। कुलसचिव बी एल बंजारा ने बताया कि उपाधियां प्रदान करने के लिए नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों की अस्थाई सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर उपलब्ध करवाई गई है एवं संबंधित महाविद्यालयों को भी उपलब्ध करवा दी गयी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। एयरपोर्ट इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया इलाके निवासी 33 वर्षीया युवती की करीब 5 साल पहले सोशल मीडिया पर विजेंद्र से दोस्ती हुई थी। आरोप है शादी का झांसा देकर विजेंद्र पीड़िता के साथ देहशोषण करता आ रहा है। इस दौरान नकदी और गहने पर भी हड़प लिए। अब शादी से इंकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

भाजपा पार्षदों की नाराजगी के बाद बैंगलुरु का टूर रद्द

भाजपा पार्षद कुसुम यादव के साथ बुधवार को कई पार्षदों ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया।

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम की ओर से पार्षदों के सैर-सपाटे के लिए तय किया गया बैंगलुरु टूर अब रद्द हो गया है। भाजपा पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि बुधवार को भाजपा के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया। पार्षदों ने कहा कि एक तरफ नगर निगम में वार्डों के विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं है, दूसरी तरफ पार्षदों के टूर के नाम जनता के पैसों की बर्बादी क्यों की जा रही है। पार्षदों के टूर पर किया जाने वाला खर्च यदि वार्डों में विकास के लिए खर्च किया जाएगा, तो उसमें जनता का भला होगा। पार्षदों के बैंगलोर जाने से जनता का भला नहीं होने वाला है। पार्षदों की इस नाराजगी को भांपते हुए आयुक्त विश्राम मीणा ने फ़िलहाल इस टूर को स्थगित कर दिया है। पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल में कुसुम यादव, विमल अग्रवाल, श्याम सुंदर सैनी, रितु किशोर मोतियानी, घनश्याम टेपन और अमर गुर्जर समेत कई लोग मौजूद थे।

यात्री के बैग में कारतूस मिला

जयपुर। सिंधी कैंप इलाके स्थित मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के बैग में कारतूस मिला है। पुलिस ने बताया 6 फरवरी को भूड़ा गेट, डीग जिला भरतपुर निवासी ओमप्रकाश जाटव मेट्रो स्टेशन पर गेट नंबर 1 से बाहर आ रहा था। इस दौरान चेकिन मशीन में बैग जाने पर बीप हुई। अंदर तलाशी में देशी कट्टे का जिंदा कारतूस मिला। इस पर आरोपित ओमप्रकश जाटव को गिरफ्तार किया गया है।

आंजना के परिजनों से मिले डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रतापगढ़ जिले के केसुंदा पहुंचकर विकास आंजना के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और राज्य सरकार से हत्याकांड में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है।

विधानसभा अध्यक्ष ने अफसरशाही को किया तलब

जयपुर, (का.प्र.)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने राज्य के प्रमुख आईएएस अधिकारियों को विधानसभा बुलाकर क्लास ली और नाराजगी जताई है। नाराजगी इस बात पर है कि अधिकांश अधिकारी जिन्हें कि विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, वह समय पर ना तो जवाब पेश कर पा रहे हैं और ना विधानसभा में उपस्थित हो रहे हैं। विधानसभा में पिछले दो-तीन सत्रों में लगातार देखा जा रहा है कि अधिकारी दीर्घा प्रश्नकाल के बाद में खाली हो जाती है और जब महत्वपूर्ण मामले सामने आते हैं, तब विभागीय अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं। इस बात को लेकर उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कई बार ध्यान दिला चुके हैं। कई बार विधानसभा सत्र के दौरान देखा जाता है कि जब कोई मामला आता है, तो अधिकारी नदारद रहते हैं। ऐसे में ना सिर्फ सरकार के सामने जवाब देने का संकट होता है, बल्कि प्रतिपक्ष को भी हावी होने का मौका मिल जाता है। लगातार इस तरह की घटनाएं होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को तलब किया था।

विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने अधिकारियों की बैठक लेकर प्रश्नकाल के बाद गायब रहने वाली अफसरशाही को लेकर नाराजगी जताई।

विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने बुधवार को विधानसभा में प्रदेश के प्रमुख आईएएस अफसरों की क्लास ली। विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब समय पर तैयार करके नहीं देने और सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों आश्वासनों पर कार्रवाई की जानकारी नहीं देने के कारण विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी प्रदेश की अफसरशाही से नाराज हैं। यही कारण है कि उन्होंने बुधवार को विभागों के शासन सचिव, प्रमुख शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के पदों पर कार्यरत आईएएस अफसरों को विधानसभा के समिति कक्ष में दोपहर तीन बजे तलब किया।

अधिकारियों के इस तरह से गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा को विधानसभा सचिवालय ने दो बार पत्र भी लिखे हैं। दरअसल विधानसभा अध्यक्ष डॉ जोशी ने 15वीं और 14वीं विधानसभा के प्रश्नों, आश्वासनों, प्रस्तावों पर अब तक जवाब नहीं आने और कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। प्रदेश की अफसरशाही और राजनीतिक इतिहास में पहला मौका है, जब विधानसभा अध्यक्ष ने इस तरह से आईएएस अफसरों को सीधे बुलाकर जवाब-तलब किया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से भेजे गए पत्र में लिखा है कि प्रश्न व संदर्भ समिति और अध्यक्ष स्तर पर प्रश्नों का जवाब नहीं देने, प्रस्तावों की जानकारी अब तक तैयार नहीं करने, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के तहत मंत्रियों के स्तर पर दिए गए आश्वासनों की जानकारी मुहैया नहीं करवाने को अफसरों के स्तर पर गंभीर लापरवाही और उदासीनता बरतना माना गया है।

- **'ना प्रश्नों के उत्तर समय पर आ रहे हैं, ना मंत्रियों के आश्वासन पर कार्यवाही हो रही'**

वनकर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर सरकार की सद्बुद्धि के लिये किया यज्ञ

बांसवाड़ा, (निसं)। संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले अधीनस्थ वन कर्मचारी संघ जिला शाखा में वन अधिनस्थ कर्मचारी संघ, वन विभाग श्रमिक संघ, वाहन चालक संघ ने धरने के तीसरे दिन कार्य बहिष्कार एवं धरना प्रदर्शन करते हुए वन विभाग के आला अधिकारियों एवं सरकार की सद्बुद्धि के लिए हवन किया।

कर्मचारी 15 सूत्री मांगों को लेकर प्रत्येक कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं। राज्य के विभिन्न जिला संगठनों की ओर से वन कर्मियों को पुलिस अथवा पटवारियों के समकक्ष वेतन दिलाने, कार्यभारित कर्मचारियों को वनरक्षक के पद पर समायोजित करने, वन कर्मियों को मेस भत्ता राशि 2200 रुपये दिलाने, नगद वर्दी भत्ता 7 हजार वार्षिक दिलवाने, वाहन चालकों को पदोन्नति और वर्दी दिलवाने, वन कर्मियों को साइकिल भत्ते के स्थान पर पेट्रोल भत्ता 2 हजार प्रतिमाह देने, वन अपराधों की रोकथाम के लिए हथियार एवं अन्य सुरक्षा संसाधन उपलब्ध करवाने, वन कर्मियों को हार्ड ड्यूटी अलाउंस देने जैसी 15 सूत्री मांगें लंबे समय से वन विभाग के अधिनस्था एवं वर्कचार्ज

अधीनस्थ वन कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले आला अधिकारियों एवं राज्य सरकार की सद्बुद्धि के लिये हवन में आहुतियां दी।

कर्मचारी कर रहे हैं लेकिन इनकी कोई सुनवाई नहीं हुई जिससे तीन दिनों से कर्मचारी कार्यबहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान अधीनस्थ वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मणिलाल रावत ने बताया कि संघ के प्रदेश नेतृत्व के निर्णय और आदेश की पालना में जिले के समस्त वर्क चार्ज, अधिनस्थ वन कर्मी तथा वाहन चालक भी 6 फरवरी से अपनी मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर राज कार्य का अनिश्चितकालीन बहिष्कार कर रहे हैं। इन लोगो ने चेताया कि यदी आंदोलन के दौरान वन विकास कार्य, अवैध कटान, वन्य जीव रेस्क्यू इत्यादि कोई कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी वन प्रशासन और राज्य सरकार की होगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में आंदोलन के चौथे चरण में जिला स्तर पर कार्य का बहिष्कार करते हुए धरना-

- वन कर्मियों को अथवा पटवारियों के समकक्ष वेतन दिलाने सहित विभिन्न मांगों को की लेकर किया प्रदर्शन

प्रदर्शन किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन में क्षेत्रीय वन अधिकारी विश्वेंद्र सिंह चौहान, कुलदीप सिंह चौहान, घनश्याम सिंह सिसोदिया, गिरीश कुमार लबाना, सेक्टर संघर्ष समिति के जिला संयोजक फरीद उल्ला खान, जिलाध्यक्ष जयवर्धन सिंह राठौड, सहसंयोजक सुरेश गरासिया, वन विभाग श्रमिक संघ के जिलाध्यक्ष गोकुल पाटीदार, वाहन चालक संघ जिलाध्यक्ष पवन सेवक, रामचंद्र सिंह राठौड, मंजू गणावा, रामलाल डामोर, नरेश कुमार निनामा, लोकेश दावोड, लाल सिंह गरासिया, सुरेंद्र सिंह चौहान, गौतम लाल सरगरा, हीरा मीणा, अनीता डामोर, कृपा कुमारी, दीपा राठौड, बाबूलाल डामोर, धनजी पाटीदार, दिनेश परमार, दिनेश पारगी, कल्पेश पाटीदार, गीता पाटीदार, रेशम रडखिया, कृपा डामोर, यशपाल आदि शामिल रहे।

प्रधानाचार्य पर अभद्रता का आरोप

डूंगपुर। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम लोकतांत्रिक डूंगरपुर को राउमावि भाणासीमल, ब्लॉक झौंथरी में कार्यरत वरिष्ठ महिला अध्यापिका ने परिवेदना प्रेषित कर जीएसएस भाणा सीमल प्रधानाचार्य नागेंद्रसिंह झाला द्वारा अभद्र व्यवहार, एवं गाली गलौच करने मारने खडे होने का प्रार्थना पत्र संगठन को प्रेषित किया।

संगठन के जिलाध्यक्ष विश्राम कटारा, जिला मंत्री हरिओम पंचाल, सुभाषचंद्र भट्ट, महिला मंत्री गंगा देवी कोटेड ने परिवेदना का हवाला देते हुए बताया कि श्रीमति मीनल पंड्या वरिष्ठ अध्यापिका भाणासीमल ने 4 फरवरी को स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य भाणासीमल ने प्रधानाचार्य झाला ने प्रधानाचार्य कक्ष में उनसे अभद्र व्यवहार करते हुए, गाली गलौच की तथा मारने खडे होने की वेदना बताई। साथ ही यह भी कहां कि वे उन्हें हमेशा मानसिक रूप से प्राताडित करते है।उक्त अभद्र व्यवहार से महिला शिक्षिका काफी डरी हुई है तथा वह अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। तथा वह इतनी डरी हुई है कि वह स्थानीय विद्यालय के बजाय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पंचायत समिती झौंथरी में अपनी उपस्थिति दे रही है। वरिष्ठ अध्यापिका के साथ प्रधानाचार्य द्वारा दुर्व्यवहार करना, मारपीट करने खडे हो जाना तथा गाली गलोच करना शिक्षा विभाग के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

सार-समाचार

मांगों को लेकर ज्ञापन दिया

मंडफिया, (निसं)। कर्मचारी संघ एवं श्री सांवलिया जी मंदिर कर्मचारी एकता यूनियन (स्थाई एवं संविदा) कर्मचारियों ने अपनी 2 सूत्री मांगों को लेकर मंदिर बोर्ड अध्यक्ष एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी को ज्ञापन दिया। स्थाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बिहारी लाल गुर्जर एवं संविदा कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि मंदिर बोर्ड द्वारा बोर्ड बैठक में 28 फरवरी 2014 के प्रस्ताव संख्या 5 में मंदिर अस्थाई कर्मचारी को मंदिर संविदा में नियुक्ति दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया था लेकिन आज तक प्रस्ताव की क्रियान्विति नहीं की गई। प्रस्ताव के अनुसार चयनित कार्मिकों में से रिक्त पदों पर नियमित स्थाई नियुक्ति प्रदान करने की मांग की। उन्होंने बताया कि इसके अलावा शेष कार्यरत कार्मिकों को मंदिर संविदा में नियुक्ति प्रदान करने की मांग की गई। उन्होंने यह भी बताया कि श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल मंडफिया में संविदा कर्मी पिछले कई वर्षों से अल्प वेतन पर कार्य कर रहे हैं लेकिन संविदा कर्मियों को अभी तक स्थाई नियुक्ति प्रदान नहीं की गई।

सूने मकान से नकदी व जेवरात चोरी

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़ कर नकदी व जेवरात चोरी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित खेमपुरा सोलकी रेस्टोरेंट बेडवास रोड़ प्रतापनगर निवासी माधवसिंह पुत्र रामसिंह ने प्रतापनगर पुलिस थाने मे प्रकरण दर्ज करवाया। कि 4 फरवरी को मकान पर ताला लगा कर शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया था। वापस लौटा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों मे सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो सोने के कान के एयरिग, कान के टॉप्स, 2 अंगुठी, चैन, सोने व चादी के पायल तथा चांदी की कटोरी तथा पाच हजार रूपये नकदी गायब थी इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नकदी वसूलने का प्रकरण दर्ज कराया

उदयपुर, (कासं)। अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीडिता से नकदी वसूलने एवं प्रकरण में राजीनामा करने का दबाव बनाने क मामला पुलिस ने दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित लडपचा गावाडी रेलमगरा राजसमन्द हॉल यूआईटी कॉलोनी निवासी कन्हैयालाल खारौल पुत्र भेरूलाल खारोल तथा उसके साले संजय खारोल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाय कि आरोपी के खिलाफ दो वर्ष पूर्व हिरणमगरी थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था। इस मामले में आरोपी जेल गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद से दुबारा आरोपी मुझसे रूपयों की मांग कर रहा है तथा अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। इस संबंध में पडताल करने पर आरोपी ने सामाजिक ग्रुप में मेरे आपित्तजनक फोटो डाल दिए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आज

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से जनराहत के लिए जारी जनसुनवाई की त्रिस्तरीय व्यवस्था के तहत 9 फरवरी को सभी उपखंड मुख्यालय के पंचायत समिति परिसर में सुबह 11 बजे से उपखंड स्तरीय जनसुनवाई शिविरों का आयोजन होगा। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने इन शिविरों में उपखंड स्तर के अधिकारियों यथा उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी, पीएचईडी, विद्युत, निर्माण, जल संसाधन, चिकित्सा आदि विभागों के अधिकारियों को भाग लेकर आमजन की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए है। वही इन शिविरों में पेयजल विद्युत स्वास्थ्य नाली सफाई खाद्य सुरक्षा समस्या आदि से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस उपखंड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान मुख्य सचिव भी वीसी के माध्यम से चर्चा करेंगी।

ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। मोबाईल पर अश्लील वीडियो तैयार कर पीडित को ब्लैकमेल कर नकदी वसूलने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जनकपुरी प्रतापनगर निवासी भगवतीलाल पुत्र तुलसीराम सुथार ने प्रतापनगर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि एक फरवरी रात में मेरे मोबाईल पर कॉल आया। उक्त कॉल उठाने पर बातचीत करने के दौरान नग्न हालत में बातचीत कर रही महिला ने मेरी अश्लील वीडियो तैयार कर ली तथा धमकाने पर उसके कहे अनुसार पांच हजार रूपये आरोपी के खाते में जमा करवाए तथा उसके कहने पर मैने अपने कपडे उतार लिए। कुछ समय बाद उक्त वीडियों वायरल करने की धमकी देकर रूपयोंकी मांग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मुख्य मार्गों से हटाया अतिक्रमण

भीम, (निसं)। पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं सीआई संगीता बंजारा के निर्देशन पर यातायात प्रभारी एएसआई नेमीचंद चौधरी हेड कांस्टेबल भरतसिंह, एवं भीम पुलिस जॉब देने कस्बे के मुख्य मार्गो से दुकानों के बाहर अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। भीम पुलिस ने बुधवार को विशेष अभियान शुरू कर कस्बे के ट्रक चौराया, सदर बाजार सुजाजी चौक, बलाइयों का कुआं, तहसील रोड अस्पताल मार्ग डाक बंगले आदि मुख्य मार्गों पर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को पुलिस प्रशासन ने हटवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू करवाई। यातायात प्रभारी एएसआई नेमीचंद्र चौधरी ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन पर कस्बे में तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक तथा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों को चिन्हित कर चालान बनाते हुए कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

धरना तीसरे दिन भी जारी

भीम, (निसं)। वन कर्मी संयुक्त संघर्श समिति जिला राजसमन्द षाखा द्वारा अपनी 15 सूत्रय मांगो को लेकर तीसरे दिन भी धरना जारी रहा। क्षैत्रीय वन अधिकारी कार्यालय भीम में चल रहे धरना स्थल पर बुधवार को भी वन विभाग के विभिन्न संवर्गो के कार्मिकों ने धरना प्रदर्षन व नारेबाजी कर राज्य सरकार से 15 सूत्री मांगो को पूर्ण करने की मांग की।

गुमशुदा बालक की तलाश

डूंगरपुर, (निसं)। मुंस्कान संस्थान द्वारा संचालित चाईल्डलाईन 1०98 पर गांव लसोडिया उदयपुर से फोन पर बताया कि भेरूलाल नाम का युवक 4 फरवरी से लापता है मुझे मदद की जरूरत है।

सार-समाचार

बीएन यूनिवर्सिटी गेट पर जड़ा ताला

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी में पूर्व छात्र की मौत पर गुस्साए छात्रों ने बुधवार को यूनिवर्सिटी गेट पर ताला जड़ दिया और छात्र गेट पर ही धरने पर बैठ गए। किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक 21 वर्षीय चंद्रवीर सिंह राजावत सवाई माधोपुर का रहने वाला था। बीएन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र चंद्रवीर आर्मी की फिजिकल परीक्षा पास कर चूका था तथा फिटनेस के लिए बीएन ग्राउंड पर दौड़ का अभ्यास कर रहा था। मंगलवार को मैदान पर दौड़ के दौरान हार्ट अटक आने से उसकी तबियत बिगड़ गई।इसके बाद अन्य छात्रों ने तुरंत यूनिवर्सिटी में खड़ी एंबुलेंस को बुलाने के लिए कॉल किया, लेकिन एंबुलेंस ने आने में देरी कर दी। ऐसे में वहां मौजूद कुछ छात्र तुरंत चंद्रवीर को बेहोशी की हालत में अस्पताल लेकर रवाना हो गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।छात्रों ने बताया. उन्हें डॉक्टर ने कहा कि अगर थोड़ा देर पहले लेकर आ जाते तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। ऐसे में छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी ने छात्रों की मेडिकल सुविधा के लिए जो एंबुलेंस रखी हुई है,वह उनके कोई काम नहीं आई। अगर एंबुलेंस समय पर आती तो चन्द्रवीर की जान बच सकती थी। चन्द्रवीर की मौत से गुस्साए छात्रो ने बीएन यूनिवर्सिटी के गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया।

राज्य मंत्री श्रीमाली का किया अभिनंदन

डूंगरपुर (निसं)। डूंगरपुर श्रीमाली ब्राह्मण समाज के समस्त मंत्रिमण्डल के पदाधिकारी व लक्ष्मीशंकर श्रीमाली अध्यक्ष सहित सर्किट हाउस डूंगरपुर में श्रम कल्याण सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री जगदीशराज श्रीमाली बुधवार को डूंगरपुर प्रवास पर प्रातः 7.15 सर्किट हाउस पहुंच कर इनका माल्यापर्ण एव श्रीफल के साथ स्वागत किया। इस मौके पर अध्यक्ष लक्ष्मीशंकर ने जनजाति क्षेत्र में निवासरत श्रीमाली समाज का परिचय करवाते हुए अवगत कराया कि डूंगरपुर में कुल 45 परिवार श्रीमालियों के है जिनमे 75 प्रतिशत राजकीय सेवामे एव 25 प्रतिशत व्यवसाय करते है। टीएसपी क्षेत्र में योग्य युवा प्रशिक्षण बन्धुओं को राजकीय सेवामें अधिक से अधिक लाभ दिलवाने हेतु निवेदन किया। साथ ही इस क्षेत्र में बन्धु आर्थिक रूप से पिछडे हुए है, इनको रोजगार दिलवाने हेतु भी अनुरोध किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष महेंद्र शंकर श्रीमाली,कोषाध्यक्ष सुभाषचन्द्र श्रीमाली एवं सचिव नवनीत त्रिवेदी, भण्डारपाल विनोद श्रीमाली,संगठन मंत्री राजेश त्रिवेदी तथा नीरज श्रीमाली अम्बाडा उपस्थित थे। राज्य मंत्री द्वारा हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। अंत मे नवनीत त्रिवेदी ने आभार व्यक्त किया।

युवती से मोबाइल-पर्स छीना

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में दिन दहाडे एक बदमाश उच्चके के युवती के हाथ मोबाइल ओर पर्स छीन कर भागा खडा हुआ। युवती ने बदमाश की पीछा भी किया लेकिन उच्चका भागने में सफल रहा। युवती के चिल्लाने पर मौके पर लोगों की भीड भी जमा हो गई। पीडित युवती ने इसकी लिखित रिपोर्ट कोतवाली थाने में दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरता फला बायोडा निवासी अनिता रोत ने बताया को बुधवार को अपनी कुछ सहलियों के साथ डूंगरपुर के भीतरी बाजार में खरीदारी कर वापस अपने घर लौट रही थी। इस दौरान शहर के भोईवाडा से फराशवाडा मार्ग से अपनी सहेलियों के साथ घर जा रही थी। इस दौरान एक बदमाश उच्चके ने अनिता के हाथ से मोबाइल ओर पर्स छीन कर भाग गया। जिस पर अनिता ने बदमाश युवक का पीछा भी किया,लेकिन बदमाश युवक सडक के पास भोईयो की बाडी में कूद भागा खडा हुआ। अनिता के चिल्लाने पर मौके आस पास के लोग जमा हो गए। पीडिता अनिता ने बताया की पर्स में करीब तीन हजार रुपए केश रखे हुए थे। मोबाइल भी करीब 6 से 7 हजार रूपए का था। पीडिता ने कोतवाली थाने में जाकर अज्ञात बदमाश उच्चके युवक के खिलाफ लिखित प्रकरण दर्ज कराया है।

फुटबॉल प्रतियोगिता 12 से

राजसमंद, (निसं)। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत राजस्थान फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में राज्य में पहली बार अंडर -17 छात्रा लीग राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जिला मुख्यालय के कांकरोली स्थित बालकृष्ण स्टेडियम में 12 फरवरी से होगा। जिला फुटबॉल संघ के मनोज हाडा ने बताया कि सात दिवसीय इस लीग प्रतियोगिता में राज्य की रजिस्टर्ड टीमें भाग लेंगी।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय एवं अखिल भारतीय फुटबॉल संघ प्रतियोगिता की विजेता टीम को 5० हजार और उपविजेता टीम को 3० हजार रुपए पारितोषिक रूप में प्रदान किया जाएग।

कुलपति डॉ. कर्नाटक बने कृषि अनुसंधान सेवा समिति सदस्य

उदयपुर, (कासं)। कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा मंगलवार को जारी एक कार्यालय आदेश के अनुसार, अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुमोदन से तथा कृषि अनुसंधान सेवा नियमावली के नियम 8 के अनुसार कृषि अनुसंधान सेवा समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें महानिदेशक, आईसीएआर, समिती के अध्यक्ष होंगे और सदस्यों के रूप में सचिव, आईसीएआर, निदेशक, आईएआरआई, नई दिल्ली; डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर; पंकज यादव, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली. डॉ. संजय कुमार

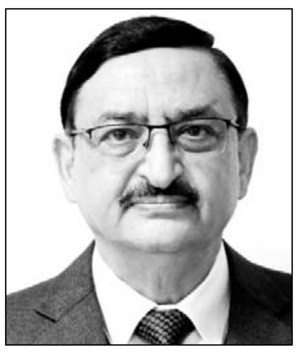

डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक

सिंह, निदेशक, आईआईएचआर, बेंगलुरु रहेंगे और. संयुक्त सचिव (कार्मिक), आईसीएआर, समिति के सदस्य सचिव रहेंगे। डॉ कर्नाटक की यह नियुक्ति एम पी यू ए टी सहित संपूर्ण राजस्थान के लिए गर्व की बात है, डॉ कर्नाटक की कृषि अनुसंघान एवं कृषि में योगदान को देखते हुए उन्हें कृषि अनुसंघान सेवा समिती का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के लिऐ कृषि कार्मिक सेवाओं में आवश्यक सुधार एवं उनकी समस्या निवारण को उम्मीद की जा रही है। एम पी यू ए टी के सभी उच्चाधिकारियों ने कुलपति को इस नियुक्ति के लिऐ उन्हें बधाई दी। उल्लेखनीय है कि यह समिति संबंधित सभी प्रमुख नीतिगत मुद्दों पर अध्यक्ष, आईसीएआर की सहायता करेगी। समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

डेढ़ दर्जन स्कूलों का निरीक्षण कर छात्रों का शैक्षिक स्तर जांचा

बांसवाड़ा, (निसं)। प्रारम्भिक कक्षाओं में शैक्षिक स्तर में गुणात्मक सुधार के लिए संचालित राजस्थान के शिक्षा में बढते कदम की स्थिति आंकलन और गतिशीलता परखने के लिए शिक्षा निदेशक राजस्थान के आदेश पर 6 से 8 फरवरी में ब्लॉक सज्जनगढ में डेढ दर्जन विद्यालयों की पडताल के साथ ही शिक्षा विभाग बांसवाडा द्वारा सत्र 2022-23 अंतर्गत इस वर्ष होने

- परीक्षा परिणाम उन्नयन को लेकर विद्यालय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकरी ली

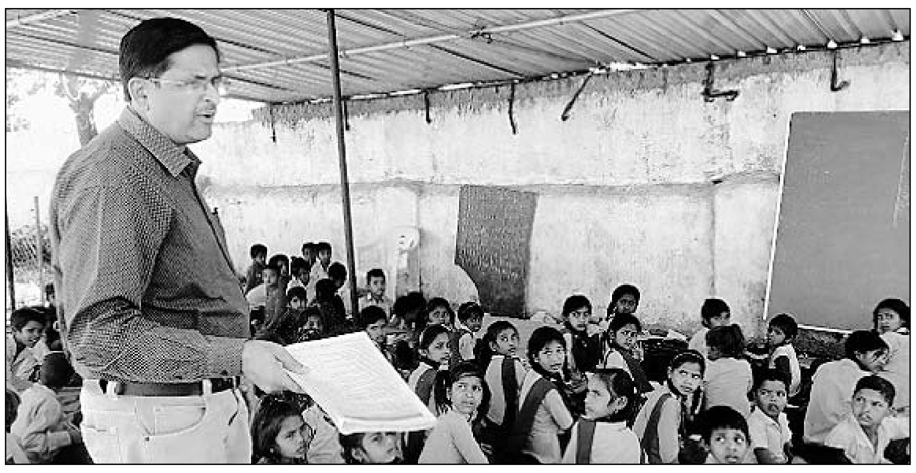

सीबीईओ जयदीप पुरोहित (खड़े हुए) ने स्कूल निरीक्षण के दौरान शैक्षिक स्तर की जानकारी ली।

वाले माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं परीक्षा में गुणात्मक तथा संख्यात्मक परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए तय किए गए सक्सेस-100 अभियान के तहत सज्जनगढ ब्लॉक के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ विगत 2 दिनों में डेढ़ दर्जन राउमावि का मैराथन निरीक्षण कर परीक्षा परिणाम उन्नयन को लेकर विद्यालय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों को नजदीकी से जांचा और विषय अध्यापकों के साथ ही परीक्षार्थियों से भी गहन चर्चा की। अभियान के तहत बुधवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयदीप पुरोहित, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रथम रुपजी बारिया तथा अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय प्रकाश पंड्या ने सज्जनगढ ब्लॉक के 12 स्कूलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में अंदेश्वर, टिम्बा महुडी, तांबेसरा, पाली बडी, नवागांव के अलावा टांडा रत्ना, बालिका सज्जनगढ, रोहनिया लक्ष्मण सिंह और भुरा कुआं विद्यालय शामिल है। इससे पूर्व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयदीप पुरोहित एवं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाश पंड्या ने सांतसेरा, सादडिया, कसारवाडी, टांडी बडी और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम राउमावि डूंगरा छोटा स्कूल का निरीक्षण किया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

मण्डफिया, (निसं)। श्री सांवलिया जी राजकीय महाविद्यालय मंडफिया मे छात्रसंघ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। समारोह प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य में एवं कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम दक, एबीवीपी जिला संयोजक महेंद्र सिंह, बानसेन सरपंच कन्हैया लाल वैष्णव एवं भैरूलाल गाडरी, प्रदीप लड्ढा, राजकुमार वैष्णव थे। विद्यालय प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया (बाएं) ने छात्रों को शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने छात्रसंघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पूजा कुंवर, महासचिव सांवर लाल एवं संयुक्त सचिव प्रहलाद सुथार को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं पदभार ठाहण करवाया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कटारिया ने अपना विद्यार्थी जीवन का स्मरण व्यक्त करते हुए कहा की विद्यार्थी को नियमित पढ़ाई एवं गुरुजनों का सम्मान कर एवं अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहिए। छात्रसंघ अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत कर महाविद्यालय की प्रमुख मांगे रखी एवं आभार जताया। समारोह को विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, अर्जुन लाल जीनगर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय की जो भी समस्याएं हैं, उनका हम सब समाधान करेंगे। एबीवीपी जिला संयोजक महेंद्र सिंह ने विद्यार्थी परिषद के इतिहास, विकास पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। समारोह मे परिषद के विश्वास वैष्णव, मुकेश गुर्जर, राधे सुथार, किशन जाट, शंकर सेन, हर्ष अठावाल सहित पूर्व कार्यकर्तागण, पदाधिकारीगण एवं महाविद्यालय के छात्र छात्रा उपस्थित थे। संचालन डॉ कुसुम टेपण ने किया। समारोह पश्चात नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दरबार के दर्शन किए एवं मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल वैष्णव के निवास पर जाकर उनकी कुशल क्षेम पूछी।

समीक्षा बैठक आयोजित

भीम, (निसं)। पं. स.सभागार में बुधवार को विकास अधिकारी कैलाश पंचारिया ने सहायक अभियंता विजय बहादुरपाल सिंह, शशि तंवर , कनिष्ठ तकनीकी सहायक अमित प्रताप सिंह धर्मेंद्र झूला विजय पाल सिंह आदि के सानिध्य में बैठक आयोजित कर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। विकास अधिकारी कैलाश राम पंचारिया ने पं. स. क्षेत्र के ग्राम विकास अधिकारी कनिष्ठ सहायक रोजगार सहायक आदि को ठाामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की समस्त निर्माण योजना, महात्मा गांधी नरेगा योजना, मुख्यमंत्री नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद योजना, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, मगरा विकास, डीएमएफटी, पंचायती राज निर्माण योजना, राज्य 15 वां वित्त आयोग आदि सहित कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्रगति रिपोर्ट ली। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया, संतोष सिंह अंकित सेन मुकेश कुमार हिंगोलीया भगवान सहाय, मोहन सिंह त्रिलोक चंद, योगेश कुमार धीरसिंह मीणा देवाराम फतेह सिंह मनोहर सिंह आदि मौजूद रहे।

विवाहिता के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने एक विवाहिता का अपहरण कर दुष्कर्म करने और जबरन विवाह करने के मामले में मध्यप्रदेश निवासी एक आरोपी को मंगलवार शाम गिरफ्तार किया है।

एएसपी गीता चौधरी ने अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने कोर्ट के माध्यम से मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया गया कि गत 12 नवंबर की रात 8 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच मध्यप्रदेश के मनासा तहसील क्षेत्र के बरडिया जांगीर निवासी अशोक पुत्र उदयराम और उसके साथ चार बाइक पर सवार होकर लोग आए। पीड़िता को जबरन बाइक पर बैठाकर उदयपुर ले गए। जहां से अशोक के अन्य साथी उसे और अशोक को साथ छोड़ कर चले गए। अशोक ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर होटल में रखा और 6 दिन तक दुष्कर्म किया। इसके बाद वो इसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर इसके बाद मध्यप्रदेश के मनासा ले जाकर जबरन विवाह कर

कपासन पुलिस ने विवाहिता के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा।

लिया।डीएसपी चौधरी ने जांच कर मुख्य आरोपी मध्यप्रदेश के मनासा तहसील क्षेत्र के गांव बरडिया जांगिर निवासी अशोक पुत्र उदयराम ओड को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

हमें ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, लेकिन हमारे पास वह भूमिका निभाने के लिए खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों से उनकी योजनाओं के बारे में बात की है। - रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट कप्तान, ऋषभ पंत के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित रोहिदास

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ सुरक्षा मुद्दों के मद्देनजर पेनल्टी कॉर्नर ड्रैग-फ्लिक में नियमों में बदलाव पर विचार कर सकता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इस दौरान भारतीय टीम में ज्यादातर मौके पर सबसे पहले दौड़ शुरू करने वाले अमित रोहिदास इससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंतित नहीं हैं। इस 29 साल के डिफेंडर ने 'कहा, '' मैं भारतीय टीम में सबसे पहले दौड़ने वालों में से एक रहा हूं। टीम जो भी और जब भी चाहे, मैं पहला तेज रनर हो सकता हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।''

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

सुदीप, अनुस्तुप के शतकों से बंगाल मजबूत

इंदौर, 8 फरवरी। बंगाल ने सुदीप कुमार घरामी (112) और अनुस्तुप मजूमदार (120) के शतकों के दम पर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल के पहले दिन बुधवार को मध्य प्रदेश के विरुद्ध चार विकेट के नुकसान पर 307 रन बना लिये। मध्यप्रदेश ने टॉस हारकर गेंदबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन सुदीप-अनुस्तुप की जोड़ी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। बंगाल के दो विकेट सिर्फ 51 रन पर गिरने के बाद सुदीप और अनुस्तुप ने तीसरे विकेट के लिये 241 रन की विशाल साझेदारी की, हालांकि दोनों ही बल्लेबाज अपने-अपने शतक पूरे करके आउट हो गये। सुदीप ने 213 गेंद पर 12 चौकों और दो छक्कों के साथ 112 रन बनाये, जबकि अनुस्पतुप ने 206 गेंदें खेलकर 13 चौकों और एक छक्के के साथ 120 रन की पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान मनोज कुमार (पांच रन) और शाहबाज़ अहमद (छह रन) नाबाद पवेलियन लौटे।

भारतीय सिविल सेवा कुश्ती प्रतियोगिता 20 से

चंडीगढ़, 8 फरवरी। अखिल भारतीय सिविल सेवा कबड्डी (पुरुष और महिला) खेल प्रतियोगिता 20 से 24 फरवरी तक उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में हरियाणा की पुरूष और महिला वर्ग की अलग-अलग टीम के 16 सदस्यों का चयन किया जाएगा, जिसमें एक-एक कोच और मैनेजर भी हैं। कबड्डी की हरियाणा राज्य पुरुष टीम का चयन ट्रायल 12 फरवरी तथा महिला टीम का चयन 13 फरवरी को भिवानी में होगा। ट्रायल में हरियाणा राज्य के सभी विभागों के कर्मचारी/अधिकारी भाग ले सकते हैं।

टी-20 ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर दो पर पहुंचे पांड्या

दुबई, 8 फरवरी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत के कप्तान हार्दिक पांड्या न्यूजीलैंड के विरुद्ध तीसरे टी20 में अपने हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी की गयी रैंकिंग के अनुसार पांड्या करियर की सर्वश्रेष्ठ 250 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर के ऑलराउंडर बन गये हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के दिग्गज हरफनमौला मोहम्मद नबी को पीछे छोड़ दिया है और शीर्ष ऑलराउंडर शाकिब अल हसन (252) से सिर्फ दो पॉइंट पीछे हैं। पांड्या ने तीसरे टी20 में बल्ले से 30 (17) रन का योगदान दिया, जबकि अपने चार ओवर में उन्होंने सिर्फ 16 रन देकर चार विकेट लिये थे। शुभमन गिल (126 नाबाद) के विस्फोटक शतक और पांड्या के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत 168 रन की ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सका था। अपने शतक के दम पर गिल ने भी 168 पायदान की विशाल छलांग लगाकर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 30वां स्थान हासिल कर लिया, जबकि सूर्यकुमार यादव इस सूची के शीर्ष पर मौजूद हैं। वामहस्त तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह गेंदबाजों की सूची में आठ पायदान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी आज से

नागपुर, 8 फरवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया बहुचर्चित एवं बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 के पहले टेस्ट में यहां विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) स्टेडियम पर गुरुवार से आमने-सामने होंगे। भारत ने जब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 के लिये ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तब मेहमान टीम लगातार तीसरी बार यह सीरीज जीतने में सफल रही थी। शृंखला के निर्णायक मैच में ऋषभ पंत ने 89 रन की नाबाद पारी खेली जिसने भारत को गाबा में ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। दो साल पहले मिली यादगार जीत के नायक पंत इस बार टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिसकी वजह से टीम प्रबंधन के सामने चयन से जुड़ी चुनौतियां आ गयी हैं। नागपुर टेस्ट में पंत के स्थान पर श्रीकर भरत या ईशान किशन में से कोई एक बल्लेबाज खेल सकता है। किशन बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के नाते पंत से ज्यादा मिलते-जुलते हैं, हालांकि भरत लंबे समय से भारतीय स्क्वाड का हिस्सा रहे हैं। पीठ की चोट के कारण श्रेयस अय्यर भी पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिये टीम प्रबंधन को शुभमन गिल या सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को चुनना होगा। गिल जहां पिछले एक महीने में चार शतक ठोककर अपनी नायाब फॉर्म का सबूत दे चुके हैं, वहीं सूर्यकुमार ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। कप्तान रोहित शर्मा की मानें तो टीम प्रबंधन मैच के दिन पिच देखकर इस पर फैसला ले सकता है। बहरहाल, अगर दोनों में से किसी एक बल्लेबाज को भी एकादश में शामिल किया जाता है, तो भारत के पास पांच गेंदबाजों के लिये जगह बचेगी। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जहां तेज गेंदबाजी का मोर्चा संभाल सकते हैं, वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी का खेलना भी तय है। तीसरे स्पिनर के तौर पर भारतीय टीम प्रबंधन को अक्षर पटेल या कुलदीप यादव में से किसी एक को चुनना होगा। कुलदीप भले ही बतौर लेग-स्पिनर भारतीय गेंदबाजी में विविधता लाते हैं, लेकिन अक्षर के घरेलू रिकॉर्ड को भी नज़रंदाज़ नहीं किया जा सकता। जडेजा की अनुपस्थिति में टीम में आये अक्षर भारतीय सरजमीन पर खेले गये छह टेस्ट मैचों में 12.44 की सनसनीखेज औसत से 39 विकेट ले चुके हैं। इस सीरीज में भारतीय प्रशंसकों को चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली से भी रनों की उम्मीद होगी। पुजारा दिसंबर में बंगलादेश के विरुद्ध शतक जड़कर फॉर्म में लौट आये हैं, हालांकि टेस्ट में कोहली के बल्ले से लंबे समय से रन नहीं निकले हैं। पूर्व भारतीय कप्तान लंबे समय से स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते नज़र आये हैं।

मयंक अग्रवाल का रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में शतक

अनुस्ट्रप-सुदीप ने की 241 रन की पार्टनरशिप, बंगाल के खेल मंत्री नाबाद

नई दिल्ली, 8 फरवरी। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। सौराष्ट्र के खिलाफ कर्नाटक ने 5 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं। टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल शतक बनाकर 110 रन पर नाबाद हैं। वहीं, बंगाल से अनुस्टुप मजूमदार और सुदीप कुमार घरामी ने शतक जड़े। दोनों ने 241 रन की पार्टनरशिप की, टीम ने 4 विकेट पर 307 रन के स्कोर पर दिन का खेल खत्म किया।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सौराष्ट्र ने कर्नाटक के खिलाफ टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम का फैसला सही रहा और उनके बॉलर्स 21 रन पर ही टीम को 2 झटके दिए। 68 पर 3 के बाद 79 के स्कोर पर मनीष पांडे भी आउट हो गए। 112 रन पर श्रेयस गोपाल ने अपना विकेट गंवाया। 5 विकेट गंवाने के बाद मयंक अग्रवाल ने एस शरथ के साथ 117 रन की नाबाद पार्टनरशिप की। मयंक ने इस सीजन का तीसरा शतक जड़ा। वह 110 रन बनाकर नाबाद हैं। शरथ ने 58 रन बना लिए हैं। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों नाबाद रहे। टीम ने 5 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं। सौराष्ट्र के लिए केडी पटेल ने 2 विकेट लिए। चेतन साकरिया और प्रेरक मांकड को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रन आउट हुआ।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। बंगाल ने 51 रन पर ही दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। फिर अनुस्टुप मजूमदार और सुदीप कुमार घरामी ने तीसरे विकेट के लिए 241 रन की पार्टनरशिप कर डाली। अनुस्टुप 120 और सुदीप 112 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने तक बंगाल ने 4 विकेट पर 307 रन बना लिए। टीम के कप्तान और बंगाल राज्य के खेल मंत्री मनोज तिवारी 5 रन बनाकर शाहबाज अहमद के साथ नाबाद हैं। मध्य प्रदेश के लिए अनुभव अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। वहीं, आवेश खान और गौरव यादव को एक-एक विकेट मिला। गुरुवार को दूसरे दिन का खेल सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

पंत की जगह भरने को खिलाड़ी मौजूद : रोहित

नागपुर, 8 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में प्रतिभावान विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, हालांकि उनके पास पंत की जगह भरने के लिये खिलाड़ी मौजूद हैं।

रोहित ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, लेकिन हमारे पास वह भूमिका निभाने के लिए खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों से उनकी योजनाओं के बारे में बात की है और उम्मीद है कि कल से हम उन्हें लागू कर सकेंगे।

गौरतलब है कि पंत 2020 से 2022 तक टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने इस दौरान खेले गये 22 मैचों में 43.34 की औसत से 1517 रन बनाये हैं। पंत ने मुख्यत: अपनी मैच-जिताऊ पारियों से कई बार भारत को संकट से निकाला है। पिछली बार जब भारत ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, तब पंत के नाबाद 89 रन के दम पर ही मेहमान टीम गाबा का किला फतह कर सकी थी।

रोहित ने एकादश में पंत की जगह भरने की बात कही, हालांकि खिलाड़ियों के चयन के सवाल पर उन्होंने होंठ सिल लिये। जब रोहित से एकादश के संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा चयन मुश्किल होगा। सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह टीम के लिये अच्छे संकेत हैं। हम हर मैच में जाते हुए स्थिति का जायज़ा लेकर ही एकादश चुनेंगे। खिलाड़ी यह बात जानते हैं और हमने शृंखला से पहले इस पर चर्चा की है। भारत को नागपुर में कंगारुओं का सामना करने के बाद दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में भी एक-एक टेस्ट खेलना है। अगर मेज़बान टीम यह सीरीज 3-1 से जीतती है तो वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बना लेगी। अगर जीत का अंतर इससे कम होता है तो उसे श्रीलंका-न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका-वेस्ट इंडीज टेस्ट शृंखलाओं के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

रोहित हालांकि फिलहाल डब्ल्यूटीसी फाइनल के बारे में नहीं सोच रहे और सामने खड़ी ऑस्ट्रेलियाई चुनौती पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, सच कहूं तो हमने उसके के बारे में ज्यादा बात नहीं की है। हम सिर्फ इस सीरीज में अच्छा करने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। उसके बारे में सोचने में अभी वक्त है। हम फिलहाल उसके गणित में नहीं पड़ना चाहते। हम फिलहाल सामने मौजूद टेस्ट मैचों को जीतने पर ध्यान देना चाहते हैं। यह सभी मैच अलग-अलग स्थानों पर हैं और सभी एक अलग चुनौती पेश करेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले भारतीय पिचों की भी भरपूर चर्चा हुई है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर इयन हीली ने भारत को निष्पक्ष पिचें बनाने की सलाह भी दी, हालांकि कप्तान रोहित पिच पर चर्चा करने की जगह क्रिकेट पर ध्यान देना चाहते हैं। रोहित ने कहा, मुझे लगता है कि हमें अगले पांच दिनों में यहां होने वाली क्रिकेट पर ध्यान देना होगा और पिच के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी होगी। पिछली सीरीज में हम यहां खेले थे, पिचों के बारे में बहुत कुछ बोला गया था। खेलने जा रहे सभी 22 खिलाड़ी अच्छे क्रिकेटर हैं। इसलिए हमें इस बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए कि पिच कैसी होगी, यह कितना टर्न ले रही है, सीमिंग है या नहीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच के लिए तैयार है धर्मशाला

धर्मशाला, 8 फरवरी। हिमाचल प्रदेश में मार्च के प्रथम सप्ताह में होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां कर ली गई हैं। मैच की तैयारियों को लेकर ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रोहित राठौड़ ने यह बात कही।

गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरिज का तीसरा मैच पहली से पांच मार्च तक धर्मशाला के मनमोहक क्रिकेट स्टाडियम में होना तय हुआ है।

उपायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में रोहित राठौड़ ने ऑस्ट्रेलियाई दूतावास की प्रतिनिधि टैरी बक्कनी और सुज़ेन जोसेफ को प्रशासन द्वारा मैच को लेकर किए गए सभी प्रबंधों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि मैच के दौरान आपदा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा, यातायात व्यवस्था, अग्निशमन सहित सभी जरुरी व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों ने तैयारियां कर ली हैं।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन दोनों टीमों के खिलाड़ियों, उनके प्रबंधन स्टाफ और दर्शकों को मैच के दिनों में सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा के निदान के लिए टोल फ्री नम्बर 1077 पर किसी भी समय संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त पुलिस सहायता कक्ष भी 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। मैच के दौरान किसी भी आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें हर पल तैयार रहेंगी। मैच के दौरान किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति और आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए प्रशासन द्वारा स्टेडियम में 20 फरवरी के बाद एक मॉक ड्रिल भी करवाई जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के प्रतिनिधियों ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए तैयारियों से संतुष्टि जताई। बैठक में एएसपी कांगड़ा मयंक चौधरी, आईएएस प्रोबेशनर नेत्रा मेती, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुरदर्शन गुप्ता, प्रधानाचार्य टांडा मेडिकल कॉलेज डॉ. भानु अवस्थी, एसएमओ जोनल अस्पताल धर्मशाला डॉ. राजेश गुलेरी, डीएसपी एसडीआरएफ सुनिल राणा और एचपीसीए के प्रतिनिधि समीर सिंह उपस्थित थे।

भारतीय मुक्केबाजी में 30 करोड़ रुपये का निवेश करेगा आरईसी

नयी दिल्ली, 8 फरवरी। विद्युत मंत्रालय के तहत आने वाली अग्रणी महारत्न कंपनी-ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) ने अगले तीन वर्षों तक भारतीय मुक्केबाजी के विकास की गति को बढ़ावा देने के लिये भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के साथ हाथ मिलाया है। इस करार के तहत आरईसी भारत में मुक्केबाजी को विकसित करने के उद्देश्य से तीन साल की अवधि में 30 करोड़ रुपये खर्च करेगी। समर्थन समझौते के अनुसार बीएफआई आगामी 2023 महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले तीन से 12 मार्च तक नयी दिल्ली में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिये इस धन का उपयोग करेगा।

बीएफआई उपाध्यक्ष और वाणिज्य प्रमुख देबोजो महर्षि ने कहा, हम भारतीय मुक्केबाजी को विकसित करने और इस खेल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये अपने मिशन में एक प्रमुख हितधारक के रूप में आरईसी को पाकर खुश हैं। राष्ट्र निर्माण के प्रति आरईसी की प्रतिबद्धता उनके मूल मूल्य में शामिल है और यह बीएफआई के दृष्टिकोण और भारत को विश्व स्तर पर एक मुक्केबाजी के गढ़ के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य से अलग नहीं है।

इस साझेदारी के माध्यम से आरईसी सभी आयु वर्ग के राष्ट्रीय मुक्केबाजों के लिये अंतरराष्ट्रीय शिविर आयोजित करने में भी सहायता प्रदान करेगा और खेल के भविष्य को आकार देने के लिये राज्य स्तरीय प्रशिक्षण अकादमियों और प्रशिक्षकों को सशक्त बनाकर जमीनी स्तर पर विकास में भी योगदान देगा। महर्षि ने कहा, यह साझेदारी नयी प्रतिभाओं की पहचान करने और खेल को देश के कोने-कोने तक ले जाने के हमारे प्रयासों को और अधिक गहराई तक ले जायेगी। हमारा उद्देश्य यह पता लगाना है कि भारत अधिक अंतरराष्ट्रीय शिविरों की मेजबानी करते हुए विश्व चैंपियनशिप से पहले आने वाले कैंप की तरह विदेशी टीमों को आमंत्रित कर सकता है या नहीं।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 11 जून को

दुबई, 8 फरवरी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल लंदन के ओवल मैदान पर सात से 11 जून के बीच खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। आईसीसी ने बताया कि 12 जून को फाइनल के लिये अतिरिक्त दिन रखा गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 75.56 प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि भारत 58.93 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों को गुरुवार से शुरू होने वाली चार मैचों की टेस्ट शृंखला में आमना-सामना होगा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने आईसीसी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने की संभावना पिछले दो वर्षों में हमारे लिये प्रेरणादायक रही है। खासकर इसलिए क्योंकि पिछली बार हम ओवर रेट से चूक गए थे। उन्होंने कहा, द ओवल जैसे मैदान पर आयोजन फाइनल मैच में पहुंचने वाली दोनों टीमों के लिये एक बड़ी उपलब्धि होगी। दोनों टीमों के लिए यह चुनौती होगी और कुछ समय से हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना रहा है। हमें विश्वास है। वास्तव में 12 महीनों के बाद हम भारत में सीरीज जीत कर फाइनल में स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। फाइनल मैच में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और स्टाफ के लिये एक बड़ा इनाम होगा। पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हारने वाले भारत के पास एक बार फिर खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का मौका है। भारत अगर आगामी टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हरा देता है तो वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बना लेगा। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में टीम इंडिया की अगुवाई में खेल के मैदान पर उतरना विशेष होगा। हम इस टेस्ट सीरीज के लिए एक टीम के रूप में विकसित हुए हैं। हम जानते हैं कि जून में ओवल में खिताब जीतने का मौका पाने के लिये हमें पहले ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से पार पाना होगा। रोहित ने कहा, हाल के दिनों में टेस्ट क्रिकेट में कई नाटकीय क्षण आये हैं और निस्संदेह और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैं फाइनल में अपनी जगह पक्की होने से उत्साहित हूं और उम्मीद है कि साल के अंत में इतिहास रचूंगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा श्रीलंका (53.33 प्रतिशत) और दक्षिण अफ्रीका (48.72 प्रतिशत) भी फाइनल में पहुंचने के दावेदार हैं। फाइनल से पहले श्रीलंका को जहां दो टेस्ट मैचों के लिये न्यूजीलैंड का दौरा करना है, वहीं दक्षिण अफ्रीका दो टेस्ट मैचों के लिये वेस्ट इंडीज की मेजबानी करेगा।

मयंक के शतक ने कर्नाटक को संभाला

बेंगलुरु, 8 फरवरी। कप्तान मयंक अग्रवाल (110 नाबाद) के शतक और श्रीनिवास शरत (58 नाबाद) के साथ उनकी शतकीय साझेदारी की बदौलत कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बुधवार को सौराष्ट्र के खिलाफ पांच विकेट सस्ते में गंवाने के बाद भी 229 रन बना लिये। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सौराष्ट्र शुरुआत से ही कर्नाटक पर हावी रहा। रविकुमार समर्थ, देवदत्त पडिकल और निकिन होज़े आपस में सिर्फ 30 रन जोड़कर पवेलियन लौट गये, हालांकि कप्तान मयंक ने दूसरा छोर संभाले रखा। कर्नाटक का पांचवां विकेट सिर्फ 112 रन पर गिरने के बाद शरत क्रीज़ पर आये, और दिन का खेल खत्म होने तक कप्तान मयंक का साथ दिया। मयंक और शरत ने आपस में 46.3 ओवर खेलते हुए 117 रन की नाबाद साझेदारी की।

कमिंस ने दिया मर्फी के पदार्पण का संकेत

नागपुर, 8 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बुधवार को संकेत दिया कि भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फ़ पदार्पण कर सकते हैं। कमिंस ने कहा, मेरा खयाल है कि वह जितना तैयार हो सकते हैं, उतने हैं। मर्फ़ ने यहां अभ्यास में शानदार गेंदबाजी की है। प्रथम-श्रेणी क्रिकेट में भी विक्टोरिया के लिये उनकी शुरुआत अच्छी रही थी। अगर उन्हें (पदार्पण की) मंजूरी मिलती है तो उनके साथ दूसरे छोर पर नेथन लायन होंगे, जिनके साथ वह गेंदबाजी कर सकते हैं। यहां स्क्वाड में सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन तैयारी की है। हम जिसे भी चुनेंगे, वह खेलने के लिये 100 प्रतिशत तैयार होगा।

चोटग्रस्त जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन की अनुपस्थिति में कप्तान कमिंस के साथ स्कॉट बोलैंड दूसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाएंगे। अनुभवी ऑफ-स्पिनर लायन के बाद एकादश में सिर्फ एक फिरकी गेंदबाज के लिये जगह बचती है, जिसके लिये मर्फ़ और एश्टन आगर के बीच मुकाबला होगा। लेग-स्पिनर आगर ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में विविधता ला सकते हैं, हालांकि कप्तान कमिंस का कहना है कि भारतीय पिचों पर विविधता से ज्यादा अनुशासन कारगर साबित होगा। कमिंस ने कहा, टीम चयन में यह (भारतीय परिस्थितियां) एक कारक होगा।

इन परिस्थितियों में गेंद काफी स्पिन होती है, इसलिये आपको बहुत ही सधी हुई और अनुशासन भरी गेंदबाजी की जरूरत होगी। मुझे नहीं लगता कि आपको किसी और चीज की जरूरत है, परिस्थितियां खुद आपकी मदद करेंगी।

उन्होंने कहा, आपने लायन को यहां कामयाब होते हुए देखा है। वह कई बार दाएं हाथ के बल्लेबाजों को भी पगबाधा करे हैं या फिर स्लिप में कैच-आउट करवाते हैं। आपको किसी भी गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की जरूरत होती है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सिर्फ विविधता के लिये यह होना ही चाहिये। कमिंस ने इस दौरान हरफनमौला ग्रीन के पहले टेस्ट से बाहर होने की पुष्टि भी की।

यूथ लीग में सुदेवा ने किया सफाया

नयी दिल्ली, 8 फरवरी। देश की सर्वश्रेष्ठ फुटबाल अकादमियों में शुमार सुदेवा दिल्ली एफसी ने खेलो इंडिया यूथ लीग के अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-18 खिताब जीत कर अपने नाम कर लिया।

बाइचुंग भूटिया फुटबाल स्कूल अंडर-13 और अंडर-15 में उपविजेता रहा, जबकि अंडर-18 में फास्ट फुटबाल क्लब उपविजेता बना। नेहरू स्टेडियम में बुधवार को चैंपियन सुदेवा के खिलाड़ियों को दिल्ली सॉकर संघ (डीएसए) के पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। पुरस्कार समारोह में डीएसए के वरिष्ठ पदाधिकारी और पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहे।

डीएसए के अंतरिम अध्यक्ष जगदीश मल्होत्रा, शंकर लाल, लियाकत अली, आनंद डबास, अशोक घोष, आकाश नरूला, विजेंद्र और आभा जैन ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सुदेवा अकादमी और उसके संरक्षक अनुज गुप्ता के प्रयासों की सराहना की गयी और राज्य की फुटबाल के लिये उनका अभूतपूर्व योगदान बताया गया।

प्लेऑफ में बेहतर स्थिति पाने के लिए जमशेदपुर से भिड़ेगा मोहन बागान

जमशेदपुर, 8 फरवरी। एटीके मोहन बागान हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 के प्लेऑफ में बेहतर स्थिति पाने के लिये गुरुवार को जमशेदपुर एफसी से भिड़ेगा। दोनों टीमों के प्रदर्शन में अब तक निरंतरता का अभाव रहा है। जमशेदपुर और मोहन बागान अपने-अपने पिछले पांच मैचों से सिर्फ सात अंक बटोर सके हैं।

जमशेदपुर एफसी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गया है लेकिन वह अगले सीजन के लिये सीखने की कोशिश जारी रखेगा। रेड माइनर्स को उम्मीद होगी कि इस सीजन के अपने अंतिम घरेलू मैच में वह अपने तरकश में मौजूद हर तीर का उपयोग करे।

जमशेदपुर एफसी ने हालांकि घर पर इस सीजन में केवल एक मैच जीता है। क्लब की दोनों हालिया विजय घर से बाहर हुए मुकाबलों में आई हैं। वह हालांकि घर में एफसी गोवा और चेन्नईयन एफसी के खिलाफ अंक हासिल करने में कामयाब रहा है और इस कारण उनका मनोबल ऊंचा होगा।

जमशेदपुर के कोच एडी बूथ्रॉयड ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमने नॉर्थईस्ट में जीत के बाद के दिनों का लुत्फ उठाया है, लेकिन जल्द ही अपना ध्यान एटीके (मोहन बागान) के खिलाफ अगले मैच पर लगा दिया।

उन्होंने कहा, जब हम उनके साथ पिछली बार खेले थे, तब हमने सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तब से हमने अच्छी फुटबॉल खेली है। कुल मिलाकर, मैं इस बदलाव और इस समय अपने खेल से बहुत खुश हूं। एटीके मोहन बागान के पास जीत से एफसी गोवा को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंचकर प्लेऑफ क्वालीफिकेशन हासिल करने के करीब पहुंचने का मौका है। घर से बाहर अब तक के प्रदर्श से हालांकि मरीनर्स चिंतित होंगे।

पिछले हफ्ते, हेड कोच जुआन फेरांडो की टीम को अपने घर पर झटका लगा था, जब बेंगलुरू एफसी ने मैच के अंतिम क्वार्टर में दो गोल किये और एटीके मोहन बागान को तीसरे स्थान से दूर रखा। मोहन बागान ने घर से बाहर खेले अपने पिछले पांच मैचों में केवल एक बार जीत हासिल की है। अपने इस खराब रिकॉर्ड को वे हैदराबाद की अपनी अगली यात्रा से पहले सुधारने के लिए बेताब होंगे।

हुगो बौमस और आशिक कुरुनियन पिछले मैच में निलंबित थे और जमशेदपुर एफसी के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन दोनों को फेरांडो द्वारा चुने जाने की संभावना है क्योंकि टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए संघर्ष कर रही है।

फेरांडो ने कहा, हमारा लक्ष्य हमेशा जीतना होता है। लीग चरण के अंतिम दिनों में, हमारी मानसिकता अभी भी वही है। हम तीन अंक प्राप्त करना और उस फॉर्म को अंतिम चार मैचों में जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पिछले मैच में हमारी योजना ने पहले हाफ में काम किया। हर मैच अलग होता है लेकिन जमशेदपुर और बेंगलुरू की मानसिकता कमोबेश एक जैसी है। हमारे लिये हर पल सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। दोनों पक्ष हीरो आईएसएल में अब तक पांच बार भिड़ चुके हैं। जमशेदपुर ने तीन मैचों में जीत हासिल की है, जबकि मोहन बागान दो बार विजयी हुए हैं।

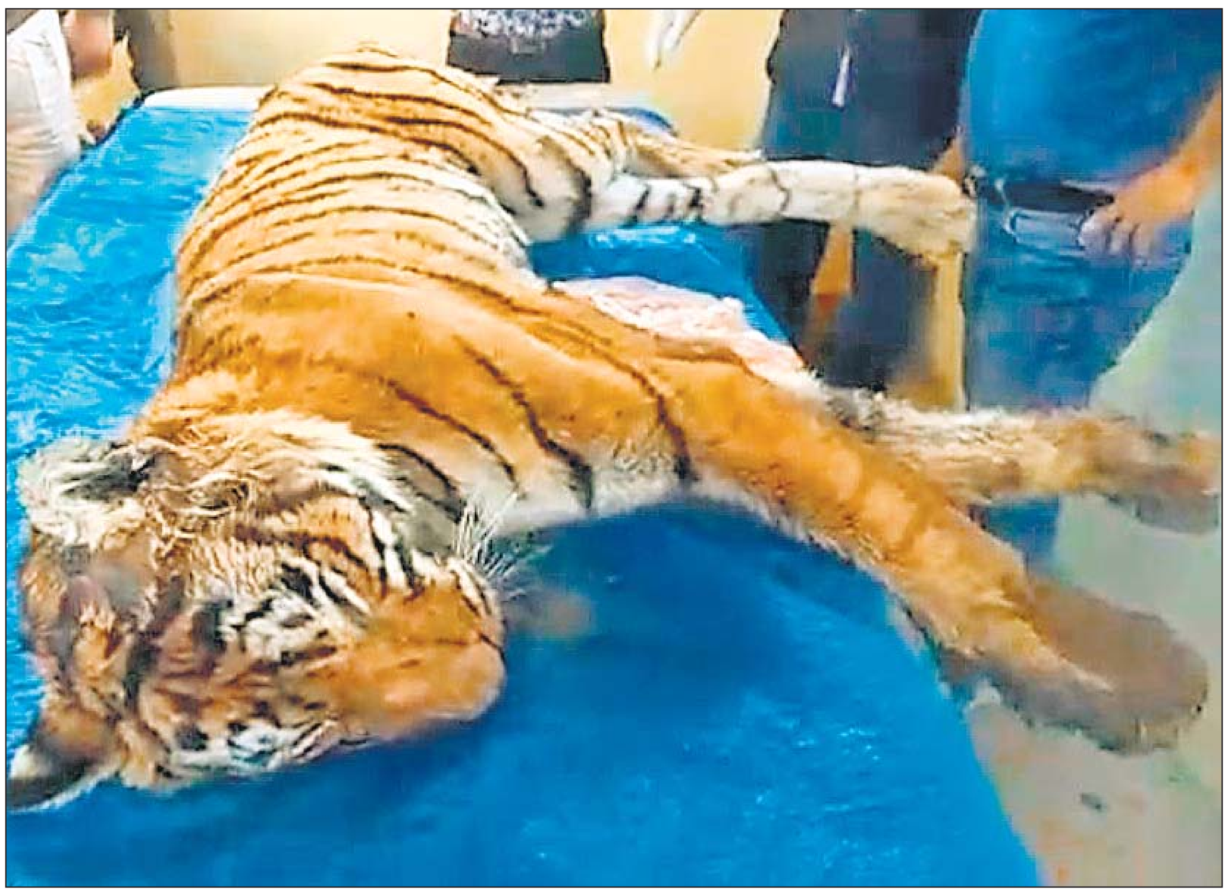

रणथम्भौर से बुधवार को एक और दुखद खबर सामने आई। रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने वाली बाघिन टी-19 उर्फ ''कृष्णा'' की मौत हो गई। वन अधिकारियों के मुताबिक कृष्णा काफी उम्रदराज व शारीरिक रूप से अक्षम हो चुकी थी। गौरतलब है कि, पिछले दिनों भी बारिश व बर्फबारी के कारण रणथम्भौर में एक बाघिन व उसके एक शावक की मौत हो गई थी।

'पेपर लीक की जांच नहीं हो पा रही, जांच हो रही है तो केवल इसकी कि, कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा है'

सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही को लेकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर गृह मंत्रालय पर सवाल उठाए

पावटा, 8 फरवरी (निसं)। प्रदेश के सैनिक कल्याण और पंचायतीराज राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही प्रकरण को लेकर बुधवार को पावटा में विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गृह मंत्रालय पर कड़े सवाल उठाय उन्होंने कहा कि, किसी मंत्री पर मुकदमा दर्ज हो और वह भी राजस्थान के मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना, ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि गृह विभाग भी उन्हीं के पास है।

गृह मंत्रालय पर सवाल उठाते हुए विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि, दुर्गा सिंह नामक व्यक्ति जो एक जालसाज है और उस पर कई कानूनी प्रकरण चल रहे हैं उसे जयपुर बुलाया जाता है और उसे राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ मैनेज कर एफआईआर दर्ज करवाई जाती है।

यदि बिना जानकारी के राजस्थान सरकार के मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है तो गृह मंत्रालय क्या कर रहा है। एक राज्य मंत्री के खिलाफ इस तरीके से झूठी एफआईआर दर्ज हो रही है तो आम जनता का क्या होगा।

वहीं, उन्होंने कहा कि, दुर्गा सिंह जयपुर में किन किन लोगों से मिला व किन लोगों ने उस पर कार्यवाही के लिए दवाब डाला यह जांच का मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि, बड़ी शर्म की बात है कि हमारी सरकार का एक दबंग नेता जिसने दो बार हमारी सरकार की मदद की। ऐसे मजबूत व्यक्ति को कौन कमजोर करने का कार्य कर रहा है ये जांच का विषय है।

इंद्राज गुर्जर ने राजस्थान में पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि, पेपर लीक के मुलजिम नहीं पकड़े जा रहे उनकी जांच नहीं हो रही, यदि अधिकारी व नेता पेपर लीक मामले में शामिल नहीं है तो आर.पी.एस.सी. से पेपर बाहर कैसे आया उसकी जांच नहीं हो पा रही। अगर जांच हो भी रही है तो केवल इसकी कि कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा होकर राजस्थान में कांग्रेस को मजबूत करने की बात कर रहा है, कौन व्यक्ति सचिन पायलट के साथ राजस्थान में दौरे कर रहा है, कौन व्यक्ति राजस्थान में वापस कांग्रेस सरकार बनाने की बात कर रहा है उन लोगों को टारगेट करने का काम किया जा रहा है।

इंद्राज गुर्जर जिस तरीके से राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने किसान सम्मेलन किया उसके बाद उनको घेरने की रणनीति तैयारी की गई यह बहुत गलत है। बिना जांच के अगर राज्यमंत्री के खिलाफ इस तरह की कानूनी कार्रवाई होती है तो यह द्वेषता पूर्ण की गई कार्रवाई है। राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को फंसाने के लिए इस तरह का जो कार्य किया जा रहा है उसका विरोध किया जाएगा चाहे वह विरोध जनता के बीच में ही जाकर करना पड़े। इस अन्याय में हम सब लोग राजेंद्र सिंह गुढ़ा के साथ हैं।

''डिस्ट्रिक्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्तर्गत जारी किया गया था जो हाई कोर्ट के साथ ही जिला न्यायपालिका के जजों की सेवा शर्तों के संदर्भ में दायर की गई थी।

जे.एस.ए.डी. ने कहा कि, न्यायिक सेवाओं या बार से हाई कोर्ट में नियुक्ति पाने वालों के लिए संविधान में किसी कोटे की बात नहीं कही गई है, लेकिन अनुच्छेद 217 (2) (हाई कोर्ट जज के पद की सेवा शर्तें व नियुक्ति) में सर्विस जजों का हवाला सबसे पहले दिया गया है। जे.एस.ए.डी. ने दावे से कहा कि, इससे पता चलता है कि, पदोन्नति का पहला विकल्प जिला न्यायपालिका से चुनना चाहिए।

उसने आवेदन में निवेदन किया था कि ''संविधान निर्माताओं ने न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को अधिक जिम्मेदारी और अहमियत देते हुए दोनों को समान महत्व दिया था।

आगे यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि, जजों की नियुक्ति यदि जिला न्यायपालिका से की जाती है तो इससे केसों का बेहतर निस्तारण होगा और निर्णय भी अच्छे होंगे।

चूंकि, लोअर कोर्ट, हाई कोर्ट के अधीनस्थ होते है, इसलिए सर्विस जजों का समय पर परीक्षण किया जाता है और उन्हें सुपरवाइज़ भी किया जाता है। यह उल्लेख किया गया कि, इसके अतिरिक्त इस प्रकार के अभ्यर्थियों की विशेष योग्यता और राइटिंग स्किल संबंधी सूचना तुरन्त उपलब्ध होती है।

यह भी निवेदन किया गया कि, बार (वकीलों) से नियुक्ति पाने वालों के मामले में उनकी कार्यशैली पर ''ट्रायल एण्ड एटट'' संबंधी प्रश्न चिन्ह होता है।

रणथम्भौर की बाघिन ''कृष्णा'' नहीं रही

उम्र दराज व शारीरिक रूप से बेहद कमजोर हो चुकी कृष्णा का शव रणथम्भौर के वन क्षेत्र में मिला

सवाई माधोपुर, 8 फरवरी (निस)। रणथम्भौर नैशनल पार्क से आज एक बार फिर दुखद खबर सामने आई। रणथंभौर नैशनल पार्क की बाघिन टी-19 यानी ''कृष्णा'' की बुधवार को मौत हो गई। अपने जीवन के लंबे पड़ाव के बाद उम्रदराज बाघिन टी- 19 ने रणथंभौर नैशनल पार्क के लकड़दा वन क्षेत्र में अंतिम सांस ली। बाघिन टी-19 रणथम्भौर वन क्षेत्र में कृष्णा के नाम से जानी जाती थी।

वन विभाग के अनुसार बाघिन कृष्णा टी- 19 उम्र के अपने अंतिम पड़ाव पर थी। वह 17 साल की हो चुकी थी। यह बाघिन रणथंभौर नेशनल पार्क की सुप्रसिद्ध बाघिन रही मछली की बेटी थी और रणथंभौर को बाघों से आबाद करने में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज वनाधिकारियों को सूचना

- **बाघिन टी-19, यानी ''कृष्णा'' की उम्र 17 वर्ष से ज्यादा हो चुकी थी।**
- **रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने में बाघिन टी-19 की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है।**

मिली कि रणथंभौर के लकड़दा क्षेत्र में बाघिन टी-19 मृत पड़ी है। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा बाघिन का शव अपने कब्जे में लिया। उसके बाद बाघिन के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजबाग लाया गया। जहां राजबाग चौकी पर बाघिन का मैडिकल बोर्ड की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। उम्रदराज होने के कारण बाघिन पिछले कुछ दिनों से शिकार करने में भी समर्थ नहीं थी, जिसके कारण वह शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हो गई थी। वन विभाग बाघिन की मॉनिटरिंग भी कर रहा था।

वनाधिकारियों ने बाघिन की मौत प्राकृतिक रूप से होना बताया। पोस्टमार्टम के बाद विधिवत रूप से बाघिन के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस मौके पर सेडुराम यादव मुख्य वन संरक्षक, मानस सिंह उप वन संरक्षक, कपिल शर्मा उप खंड अधिकारी, राजवीर चंपावत पुलिस उपाधीक्षक, डॉ. चन्द्र प्रकाश मीना वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. सुनील, विजय मीणा रेंज ऑफिसर कुंडेरा आदि मौजूद थे।

तुर्की और सीरिया में बढ़ रहा है भूकम्प से मृतकों का आंकड़ा

इस्तांबूल/दमिश्क 8 फरवरी (वार्ता)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बुधवार को 11,200 से अधिक हो गई और 55 हजार से अधिक लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।

- **बुधवार तक 11,200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 55 हजार लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।**

तुर्की में तीन महीने का इमरजेंसी का एलान किया गया है। स्कूलों को 13 फरवरी तक बंद कर दिया गया है और सभी सरकारी इमारतों को शेल्टर होम बनाया गया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने बताया कि भारत समेत अब तक 70 देश और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठन मदद के लिए आगे आए हैं। तुकी में बर्फबारी हो रही है, ऐसे में बचाव अभियान में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

लेकसिटी में पर्यटकों के आगमन का 14 साल का रिकॉर्ड टूटा

जनवरी में दो लाख पर्यटक उदयपुर आये

उदयपुर, 8 फरवरी (कासं)। लेकसिटी में जनवरी माह में घूमने के लिए रिकॉर्ड तोड़ पर्यटक आए हैं। करोना के बाद पहली बार इतनी संख्या में टूरिस्ट आने से जनवरी माह का बीते 14 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। झीलों की नगरी की सुंदरता और यहां के ऐतिहासिक महलों को देखने आने वालों में देश ही नहीं विदेशी टूरिस्ट्स की संख्या में भी इजाफा हुआ है। विशेष रूप से अमेरिका, यूके, फ्रांस और इजराइल जैसे देशों से टूरिस्ट आए हैं।

पर्यटन विभाग की ओर से जारी आकड़े बताते हैं कि, इस बार जनवरी में दो लाख टूरिस्ट उदयपुर घूमने आए। यह आकड़ा पिछले 14 साल में सबसे ज्यादा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें डेढ़ लाख से अधिक देशी टूरिस्ट हैं, उल्लेखनीय है कि, करोना के बाद पहली बार विदेशी सैलानियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

- **उल्लेखनीय बात यह है कि, कुल पर्यटकों में डेढ़ लाख विदेशी सैलानी हैं।**
- **आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए माना जा रहा है कि, होली पर और भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आयेंगे।**

आंकड़े बताते हैं कि, वर्ष 2022 में जनवरी से दिसम्बर तक हर माह 12 साल के रिकॉर्ड तोड़ टूरिस्ट यहां आए हैं। जबकि जनवरी माह को टूरिस्ट का जाता हुआ सीजन माना जाता है। दिसम्बर 2022 में सीजन होने के कारण करीब सवा दो लाख पर्यटक आए थे।

मार्च में उदयपुर में बड़े फैस्टिवल होने वाले हैं जिसमें और भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की संभावना है। सबसे खास आयोजन मेवाड़ में मनाए जाने वाला होली का त्योहार है। जिसे खेलने के लिए ज्यादातर विदेशी मेहमान यहां आते हैं। इसके साथ ही उदयपुर में जी-20 सम्मेलन की दूसरी बैठक भी आयोजित होने वाली है, जिसमें कई देशों से राजनायिक यहां आएंगे। साथ ही मार्च के अंतिम सप्ताह में मेवाड़ फैस्टिवल भी होगा जिसमें पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए कई बड़े आयोजन होते हैं जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार आंकड़े बता रहे हैं कि उदयपुर शहर को कितना पसंद किया जा रहा है। यहां लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। विभाग और प्रशासन की तरफ से भी लगातार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास के काम किए जा रहे हैं।

''मोदी! मोदी!''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ पर जनता विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा, ''मेरे खिलाफ आपके अपशब्द और आरोपों को पहले देश के करोड़ों नागरिकों से होकर गुज़रना होगा। मैं देश के लिए पिछले 25 वर्षों से काम कर रहा हूँ। आप अपने झूठ से इस विश्वास को नहीं तोड़ सकते।''

राहुल गांधी द्वारा यह कहने पर कि, अडानी के इतनी जल्दी ऊंचाईयाँ छूने को लेकर मोदी-अडानी संबंधों पर हारवर्ड युनिवर्सिटी एक अध्ययन कर रही है, प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैंने सुना कि कोई (राहुल का नाम लिए बिना) हारवर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन का जिक्र कर रहा था, लेकिन मैं आपको बताऊं कि वहां किस विषय पर अध्ययन किया जा रहा है। वो विषय है-''कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।''

''नकारात्मकता में डूबे'' लोगों को निशाना बनाते हुए मोदी ने कहा कि ''ऐसे लोग हैं जो नकारात्मकता से भरे हुए हैं और जिन्हें हमारी उपलब्धियां दिखाई नहीं देतीं। उन्हें यह दिखाई नहीं देता कि भारत ''स्टार्टअप्स'' में तीसरे स्तर पर और ''यूनिकॉर्न'' में 108वें दर्जे पर पहुंच गया है और यह सब कुछ वैश्विक महामारी के दौरान हुआ है।''

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में जब प्रधानमंत्री अपना जवाब देने के लिए खड़े हुए तब विपक्ष के सांसदों ने अडानी मुद्दे पर जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से जांच कराने की मांग को लेकर नारे लगाए।

प्र.मंत्री मोदी ने पहनी रिसाइकिल प्लास्टिक से बनी जैकेट

प्र.मंत्री मोदी जब सदन में जैकेट पहनकर पहुँचे तो हर तरफ उनकी जैकेट की खूब चर्चा हुई

नई दिल्ली, 8 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी जो भी जैकेट पहनते हैं वह अपने आप में एक नया स्टाइल बन जाता है, आज देश में जैकेट भी ''मोदी कट जैकेट'' के तौर पर पहचानी जाने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को जब लोकसभा में आए तो उन्होंने एक ऐसी सदरी (जैकेट) पहन रखी थी कि, जिसकी चर्चा सदन से लेकर पूरे विश्व में होने लगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस जैकेट की कई खासियत है, जिसकी चर्चा हर कहीं हो रही है।

दरअसल बजट सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्लास्टिक की बोतलों को 'रिसाइकिल' करके बनायी गयी सामग्री से निर्मित जैकेट पहनकर बुधवार को संसद पहुंचे। वह जब सुबह सदन में हल्के नीले रंग की सदरी पहने नजर आए। अधिकारियों ने बताया कि

- **प्र.मंत्री मोदी ने यह जैकेट पहनकर भारत सहित पूरी दुनिया को प्लास्टिक फ्री करने का मैसेज दिया।**
- **इस जैकेट को प्लास्टिक की करीब 28 बोतलों व कपास के कॉम्बीनेशन से बनाया गया है।**
- **इंडियन ऑयल कोरपोरेशन ने उन्हें गत सोमवार को यह जैकेट बैंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान भेंट की थी।**

मोदी की सदरी प्लास्टिक की बोतलों का पुनर्चक्रण(रिसाइकिल) करके बनी सामग्री से तैयार की गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को बेंगलुरु में भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान प्रधानमंत्री को यह जैकेट भेंट की थी। उन्होंने इस कार्यक्रम में इंडियन ऑयल की अनबॉटल्ड पहल के तहत विभिन्न पोशाक 'लॉन्च' की।

अधिकारियों ने बताया, ''सिंगल यूज प्लास्टिक'' को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के प्रधानमंत्री के आव्हान के अनुरूप इंडियन ऑयल ने खुदरा ग्राहक परिचारकों के वास्ते और उपभोक्ताओं तक एलपीजी (रसोई गैस सिलेंडर) पहुंचाने वाले कर्मियों के लिए ऐसी पोशाक निर्धारित की है, जो ''रिसाइकिल्ड पॉलिएस्टर'' (आरपीईटी) और कपास से बनाये गये हैं। आज इस जैकेट को पहनकर प्र.मंत्री सदन पहुंचे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का बड़ा संदेश दिया है।

अधिकारियों ने कहा कि इंडियन ऑयल के कर्मचारियों को लगभग 28 सिंगल यूज प्लास्टिक बोतल से बनाई गई पोशाक दी जायेगी। सार्वजनिक उपक्रम टिकाऊ वस्त्रों के लिए 'अनबॉटल्ड' ब्रांड के जरिये इस पहल को आगे बढ़ा रहा है।

इस ब्रांड के तहत आइओसी का लक्ष्य अन्य तेल विपणन कंपनियों के ग्राहक परिचारकों के लिए पोशाक की आवश्यकता को पूरा करना, सेना के लिए गैर-लड़ाकू वर्दी, संस्थानों के लिए पोशाक की आपूर्ति करना तथा खुदरा ग्राहकों को भी इसकी बिक्री करना है।

विदेशी भी ऑनलाइन भुगतान प्रणाली का लाभ उठा सकेंगे

मुंबई, 8 फरवरी (वार्ता)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट इन्टरफेस (यूपीआई) को विस्तार देने की दिशा में नया कदम उठाते हुए अब भारत आने वाले सभी विदेशी यात्रियों को उनके प्रवास के दौरान यूपीआई के माध्यम से

- **रिजर्व बैंक ने विदेशी नागरिकों के लिए भी यू.पी.आई पेमेंट (पेटीएम/फोन-पे) सुविधा शुरू करने की घोषणा की।**

व्यवसायिक भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध कराने की आज घोषणा की।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बुधवार को समाप्त हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा कि यूपीआई देश में खुदरा इलेक्ट्रॉनिक भुगतानों के लिए एक सर्वव्यापी भुगतान साधन बन गया है।

रिज़र्व बैंक ने विश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा किसी विशेष कॉरपोरेट को दिए गए लोन पर बारीकी से नज़र रखी जाती है। मोटी धन राशि का लोन लेने वाला कोई व्यक्ति यदि लोन चुकाने में विफल रहता है तो उस अनुचित लोन राशि की बैंक की समग्र आर्थिक स्थिति के परिप्रेक्ष्य में जांच की जाती है।

ऐसे समय में आर.बी.आई. का यह वक्तव्य बहुत महत्व रखता है, जबकि, इस बात को लेकर व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि, यदि अडानी मामले को लेकर संकट की स्थिति बनी रहती है तो भारत के बड़े बैंकों पर इसका क्या प्रभाव होगा। वैश्विक मीडिया, खासतौर पर अग्रणी मीडिया घरानों ने अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव अधिक गिर जाने को प्रमुखता दी और भारत के पूरे फायनैंशियल सिस्टम पर उससे पड़ने वाले प्रभाव पर खूब लिखा।

तथापि, यह बताना जरुरी होगा कि, पूर्व में जब स्कैम हुए थे तब भारत की बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था, तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति नहीं है। बैंकों का लाभ बढ़ा है और उनके पूंजी आधार में ठोस वृद्धि हुई है। इस बीच, अडानी की कम्पनियों के शेयर्स ने अपनी वैल्यू में हुई क्षति को थोड़ा बहुत रिकवर किया है। अमेरिका के शॉर्ट- सैलर ''हिंडनबर्ग'' की एक रिपोर्ट के बाद अडानी की कम्पनियों का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन 100 बिलियन डॉलर तक गिर गया था। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर वित्तीय कुप्रबंधन और ऋण उपयोगिता के आरोप लगाए गए थे।

अडानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के शेयर्स बुधवार को मार्केट क्लोजिंग तक 20 प्रतिशत तक बढ़े, जिससे उनकी एक शानदार वापसी की उम्मीदें बंधीं। कुछ ग्लोबल फण्ड मैनेजर्स ने अडानी बॉण्ड्स वर्तमान कीमतों पर लेना शुरु किया है। इससे शेयर बाजारों और अडानी ग्रुप में आत्मविश्वास की बहाली का संकेत मिलता है।

हिन्डनबर्ग रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव दो हफ्तों तक लगातार गिरे। एक वक्त तो अडानी ग्रुप का भविष्य पूर्णतया अनिश्चित लग रहा था और अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में उसका अस्तित्व बने रहने को लेकर प्रश्न उठाए जा रहे थे।

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुली।''

जब प्रधानमंत्री ने यह कहा कि, कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी को ''अच्छा नहीं लग रहा'' है कि, भारत की स्थिति इतनी सुदृढ़ है, उस समय राहुल गांधी सदन में ही थे। मोदी ने कहा, ''कुछ लोग साफतौर पर निराशा में डुबकी लगा रहे हैं।'' उन्होंनें कथित रूप से कांग्रेस के समय हुये भ्रष्टाचार और घोटालों तथा ''आदतन आलोचना'' की प्रवृत्ति को लेकर कांग्रेस की आलोचना की।

मंगलवार को राहुल द्वारा किए गए हमले पर उपरोक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि, पिछले नौ वर्षों में, रचनात्मक आलोचना की जगह, आदतन आलोचक हावी हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''वो लोग ऐसा कर रहे हैं'' जो यह सोचते हैं कि, मोदी को भला-बुरा कहने से समस्याओं का समाधान हो जायेगा।''

अपने लक्ष्य (राहुल) के बारे में संदेह की कोई गुंजाइश न छोड़ते हुये, प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, ''कल संसद में एक बार फिर, हारवर्ड की चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने (कल) कहा था कि, भारत का विनाश हारवर्ड के लिये एक केस स्टडी बन जायेगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, हारवर्ड में एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ है, जिसका शीर्षक है: ''भारत की कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।'' भविष्य में, कांग्रेस के विनाश का अध्ययन केवल हारवर्ड में ही नहीं, पूरे विश्व के अन्य अनेक संस्थानों में भी होगा।''

एक तरफ, जहाँ प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की विभिन्न योजनाएं गिनाईं तथा कहा कि, देश इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी पहलों के साथ, आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ, उन्होंने विपक्ष, मुख्यत: कांग्रेस पर साफतौर पर, नाम लेने से बचते हुये, जमकर प्रहार किये।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वो ''निराशा में इतना डूब चुका है कि, उसे देश में हो रही तरक्की दिखाई नहीं दे रही।'' उन्होंने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो? क्योंकि 2004 से 2014 के बीच के दशक में........।''

इसके बाद तो कांग्रेस पर उनका जबरदस्त तीखा हमला शुरु हो गया।

भाजपा सदस्यों द्वारा जबरदस्त वाह-वाही के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''2014 से पहले, 2004 से 2014 के बीच, महँगाई बहुत ज्यादा थी। यह दशक आज़ादी के बाद का सर्वाधिक भ्रष्ट दशक था। यू.पी.ए. के 10 साल के शासन में, कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण देश आतंकवाद की जकड़ में था। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक, पूरे क्षेत्र में हिंसा के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता था। उन 10 वर्षों में, वैश्विक मंच पर भारत इतना कमजोर था कि, कोई देश भारत की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं था। 2004 से 2014 के बीच, यू.पी.ए. ने हर अवसर को संकट में बदल दिया था।''

स्पष्ट रूप से, विपक्ष के हमलों से आहत प्रधानमंत्री ने यह कहकर जनता की सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश की कि, करोड़ो लोगों द्वारा उन पर किया गया भरोसा उनका एक ऐसा सुरक्षा-कवच है, जिसमें उनके निन्दकों के आरोपों और अपशब्दों से दरार तक नहीं आ सकती।

विपक्ष पर निशाना साधते हुये, मोदी ने कहा, ''लेकिन कुछ लोग, जो गले तक कुंठा और अवसाद में डूबे हुये हैं, भारत के विकास की कहानी को स्वीकार नहीं कर रहे। उन्हें 140 करोड़ भारतीयों की उपलब्धियाँ दिखाई नहीं दे रहीं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग जानते हैं कि मोदी संकट की घड़ी में उनकी मदद के लिये आगे आया है। उन्होंने विपक्ष को संबोधित करते हुये कहा, ''वे आपके अपशब्दों तथा आरोपों से सहमत कैसे होंगे।''

उन्होंने कहा, ''लोग अखबारों की सुर्खियों या टी.वी. विज़ुअल्से के कारण मोदी पर भरोसा नहीं करते, बल्कि जनता की सेवा में सालों-साल की निष्ठा के कारण करते हैं।''

जब प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की जनकल्याण की पहल गिनाईं, तो भाजपा सदस्य जोर-जोर से ''मोदी, मोदी'' के नारे लगाने लगे। भाजपा सदस्यों के नारों के जवाब में, विपक्षी सदस्यों ने ''अडानी, अडानी'' के नारे लगाये।

मोदी ने कहा, ''जब आप चुनाव हारते हैं, तो ई.वी.एम. पर दोषारोपण करते हैं, चुनाव आयोग की आचोलना करते हैं, अगर सर्वोच्च न्यायालय आपके पक्ष में फैसला नहीं देता, तो आप सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना करते हैं।''

मोदी ने कहा, ''अगर भ्रष्टाचार की जाँच कराई जा रही होती है तो आप जाँच एजेंसियों को गाली देते हैं। अगर सेना शौर्य का प्रदर्शन कर रही होती है, तो सशस्त्र सेनाओं को भला-बुरा कहते हैं, उनके खिलाफ आरोप लगाते हैं। जब आर्थिक उन्नति की बात होती है तो आप आर.बी.आई. की आलोचना करते हैं।''

दिल्ली मेयर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवार शैली ऑबेराय द्वारा दायर उस याचिका का परीक्षण कर रही थी, जिसमें माँग की गई है कि, इस दिल्ली नगर निगम के महापौर के चुनाव, जो पिछले दो माह में तीन बार आगे खिसक चुके हैं, जल्दी कराये जायें।

वरिष्ठ एडवोकेट ए.एम. सिंघवी ने कहा कि, सदन का सत्र तीन बार बुलाया गया, लेकिन मेयर के चुनाव नहीं कराये गये।

उन्होंने कहा, ''हमें कई आपत्तियाँ हैं, जिनमें यह आपत्ति भी शामिल है कि, एम.सी.डी. के प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर, मेयर, डिप्टी मेयर तथा स्थाई समिति के सदस्यों के चुनाव एक बार में ही कराने पर जोर दे रहे हैं। यह कदम दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन एक्ट के विपरीत है।''

तीन नेताओं के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्यादा गतिशील सचिन पायलट को लाया जाये क्योंकि ऐसा करने से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा अच्छा प्रदर्शन किये जाने की कुछ उम्मीद बंध जायेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 10 फरवरी को राज्य का बजट प्रस्तुत करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं तो फिर बदलाव की प्रक्रिया कैसे सम्पन्न होगी, यह अटकल का ही विषय बनता दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि, भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद, राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी में और ज्यादा मजबूत होकर उभरे हैं। राहुल अड़ियल तथा जिद्दी भी माने जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि, राहुल जब किसी मुद्दे को मजबूती के साथ लेते हैं तो वे सामान्यत: अपना रास्ता बना लेते हैं। तथा, सूत्रों के अनुसार, वे अशोक गहलोत को बदलने के बारे में गंभीरता तथा मजबूती से सोच रहे हैं। गहलोत को सप्ताहांत में बीकानेर हाउस में आयोजित एक समारोह के लिए दिल्ली आना था, लेकिन वे इस अवसर का उपयोग नेतृत्व के साथ मीटिंग करने के लिये भी करना चाहते थे। लेकिन उनके मीटिंग के प्रस्ताव पर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसलिये उन्होंने अपनी दिल्ली-यात्रा रद्द कर दी। सूत्रों का कहना है कि, अब वे पस्त और परेशान हैं तथा दुनिया अब उन्हें हरी-हरी दिखाई नहीं दे रहीं

अगर राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन में उचित सीमा से ज्यादा विलम्ब होता है तो नेतृत्व को यह सुनिश्चित करने में थोड़ी मुश्किल आयेगी कि कांग्रेस की राज्य इकाई में उसका हुकम चलता है।

''मोनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो केवल हिन्दू-मुस्लिम की ही बात करते हैं। क्या उनके पास कोई और मुद्दा या विषय नहीं है? खड़गे ने मंदिरों में जाने वाली अनुसूचित जाति के लोगों पर होने वाले हमलों पर भी प्रहार किया। उन्होंने पूछा, ''अगर आप उन्हें हिन्दू के रूप में स्वीकार करते हैं तो फिर उन्हें मंदिरों में क्यों नहीं जाने देते।''

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908